वार्तालाप – 560, काठमांडू (नेपाल), ता.02.05.08
Disc.CD No. 560, at Kathmandu (Nepal) on 02.05.08

समयः 01.26–03.30
जिज्ञासुः दादीजी आने वाली है यहाँ पर, काठमांडू में तो सेवा कैसे करें? एडवांस का देना चाहे तो कैसे कर सकते हैं?
बाबाः वहाँ उनके प्रोग्राम में अगर हम डिस्टर्बन्स करते हैं तो यह तो गलत बात है। पर्चे बांटते हैं तो गलत बात है। दीदी–दादियाँ भाषण करती हैं और हम खडे होकर क्रोस क्वेश्चन करते हैं तो वो तो तैयार नहीं हैं बीच में डिस्टर्बन्स को सुनने के लिए। दुनियाँ के कोई भी धर्म गुरू ने ऐसा स्वीकार नहीं किया है कि उनकी सभा में कोई क्रोस क्वेश्चन करना शुरू कर दे। परमिशन दे तो वो दूसरी बात है लेकिन कोई परमिशन तो देते नहीं हैं। सबसे बढ़िया तरीका है, अच्छे–2 स्लोगन्स बनाये जायें एडवान्स के और वो अच्छे2 स्लोगन्स पोस्टर्स में छपाके जहाँ प्रोग्राम होता है वहाँ चारों तरफ जो बस–स्टेन्ड वगैरा हैं, खास 2 जगह हैं वहाँ चिपका दिया जाये।

Time: 01.26-03.30
Student: Dadi*ji* is going to come here, in Kathmandu; so, how should we do service? If we want to give [the introduction] of the advance (knowledge) how can we give it?
Baba: If we cause disturbances there, in their programme, then it is wrong; if we distribute pamphlets (inside the venue), it is wrong. The *didi-dadis* are giving lectures and if we stand up and cross question them; so, they are not ready to listen to the disturbances in between. No religious guru of the world has allowed anyone to start cross-questioning them in their gathering. If they give permission then it is a different case, but nobody gives permission for that. The best way is to prepare nice slogans of the advance (knowledge) and those nice slogans should be printed on posters and should be pasted on the bus stands, important places around the venue of the programme.

जिज्ञासुः कौन चिपकायेगा बाबा, हमको तो डर लगता है।
बाबाः रात में चिपकाये जाते हैं। पोस्टर कोई दिन में थोडे ही चिपकाये जाते हैं।
दूसरा जिज्ञासुः वो बोलते हैं डर लगता है तो शेर बाप का शेर बच्चा कहाँ से हो गये?
बाबाः हो जायेगा शेर।
जिज्ञासुः इतने हुजूम के सामने हम एक दो हैं....
बाबाः हुजूम के सामने कहाँ है? चोर होते हैं रात में चोरी करते हैं या दिन में चोरी करते हैं?
जिज्ञासुः हम चोर हो गया बाबा?
बाबाः हम काहे के चोर हैं? हम तो नई दुनिया के चोर हैं।

Student: Who will paste it Baba? I feel afraid.
Baba: They are pasted in the night. Posters are not pasted in the day time.
Another Student: If he is saying that he feels afraid, he is not a lion like child of the lion like Father.
Baba: He will become a lion.
Student: We are just one or two people in front of a huge gathering….
Baba: Not in front of a huge gathering. Do thieves steal in the night or in the day?
Student: Baba, are we thieves?
Baba: We are thieves of what? We are the thieves of the new world.

समयः 03.38–07.10
जिज्ञासुः बाबा भक्ति मार्ग में चार महीना देवताओं को सोया हुआ दिखाते हैं, इसका क्या मतलब हैं?
बाबाः टोटल महीने कितने होते हैं?
सभी : बारह।
बाबाः बारह महीना होते है ना। एक साल में बारह महीने होते हैं। और ऋतुएँ कितनी होती है?
जिज्ञासुः तीन।
बाबाः तीन ऋतुएँ होती हैं, हैं ना? तीन ऋतुओं में कौन–2 सी ऋतुएँ हैं?
जिज्ञासुः गर्मी, सर्दी, बरसात।
बाबाः गर्मी, बरसात और सर्दी। वर्ष की शुरूआत कौनसे महीने से होती है? गरमियों से होती है या सर्दियों से होती है या बरसात से होती है?
जिज्ञासुः गर्मियों से।

Time: 03.38-07.10
Student: Baba, in the path of *bhakti*, deities are shown to be sleeping for four months; what does it mean?
Baba: How many months are there totally?
All the students: Twelve.
Baba: There are twelve months. There are twelve months in a year. And how many seasons are there?
Student: Three.
Baba: There are three seasons, aren't there? Which are the three seasons?
Student: Summer, winter and rainy season.
Baba: Summer, the rainy season and winter. The year begins with which month (season)? Does it begin with summer, winter or rainy season?
Student: With summer.

बाबाः फिर गर्मी के बाद? फिर बरसात आती है। फिर? फिर ठंडक आ जाती है। तो भक्ति मार्ग की गर्मी में से हम निकलते हैं तो सतयुगी और त्रेतायुगी शूटिंग जो है.....। सतयुगी, जो सतयुग है, शूटिंग पिरियड है सन 36 से लेकर के और सन 76 तक। उस में तो देवताएँ, देवात्माएँ प्रत्यक्ष होती नहीं। देवात्माओं का जो मुखिया है नारायण वो भी प्रत्यक्ष नहीं होता। इसलिए वो 1/3 पिरियड, 40 साल निकाल दो। 40 साल भी नहीं कहे उसमें भी 10 साल शुरूआत के तो संगमयुग में संगमयुग हो गया। माना 33 साल बचे। ब्रह्मा बाबा जो जीवित रहे हैं, वो कितने साल तक जीवित रहे? 36 से 68 तक। 33 साल जीवित रहे। तो 33 साल जो हैं वो देवता बनने की बात नहीं थी। फिर उन्होंने जब शरीर छोड दिया तो शरीर छोडने के बाद वो ही बीज रूप आत्मा में प्रवेश हो जाता है, ज्ञान चंद्रमाँ के रूप में। बापदादा बच्चों में प्रवेश करते हैं ना? तो वहाँ से ये शुरूआत होती है।

Baba: First the summer begins; then after summer? Then the rainy season begins; then? Then comes winter. So, when we come out of the heat of the path of *bhakti*, then the Golden Age and the Silver Age shooting; the Golden Age shooting period is from 1936 to 1976. The deities, the deity souls are not revealed in it. The head of the deity souls, [i.e.] Narayan is not revealed either. This is why take out that ⅓ period of 40 years. You can't call it 40 years either; even in that the initial 10 years is [the shooting of] the Confluence Age within the Confluence Age. It means that 33 years are left. How long did Brahma Baba live? He lived from 1936 to 1968; he lived for 33 years; it was not about becoming a deity in those 33 years. Then, when he left his body, then after leaving his body, he enters in the same seed-form soul

in the form of the Moon of knowledge. Bapdada enters the children, doesn't he? So, this begins from there.

जिज्ञासुः सोये हुए क्या मतलब है?
बाबाः तो ब्रह्मा बाबा सोये हुए थे सन 68 तक जब तक जिंदा रहे कि जागते थे?
जिज्ञासुः सोये हुए थे।
बाबाः हाँ, उनकी बुद्धि में मनन चिंतन मंथन चला ही नहीं। जब मंथन नहीं चला तो कहेंगे सोया हुआ या जागता हुआ?
जिज्ञासुः सोया हुआ ।
बाबाः सोया हुआ था। इसीलिए कहते हैं देवताएँ इतना सोते हैं, इतना जगते हैं। मुख्य देवात्मा कौन है?
जिज्ञासुः दादा लेखराज।
बाबाः दादा लेखराज ही मुख्य देवात्मा है। इसकी निशानी क्या है कि वो मुख्य देवात्मा है?
जिज्ञासुः धारणा शक्ति।
बाबाः हाँ, वो जो भी वाणी चलाते है वो धारणा की वाणी चलाते हैं। शिवबाबा धारणा की वाणी नहीं चलाते हैं क्योंकि शिवबाबा देवता तो है नहीं। देवता होगा तो देवताई वाणी चलायेगा, धारणा की वाणी चलायेगा। ज्ञान सागर होगा तो ज्ञान की वाणी चलायेगा।

Student: What is meant by (the deities) being asleep?
Baba: So, was Brahma Baba sleeping till 1968, as long as he was alive or was he awake?
Student: He was asleep.
Baba: Yes. His intellect did not think and churn at all; when he did not churn anything, then will he be said to be asleep or awake?
Student: He was asleep.
Baba: This is why it is said that deities sleep so long and remain awake so long. Who is the main deity soul?
Student: Dada Lekhraj.
Baba: Dada Lekhraj is the main deity soul. What is the indication that he is the main deity soul?
Student: The *dhaarnaa shakti* (the power of inculcation).
Baba: Yes. The *vani* that he narrates is a *vani* of *dhaarnaa*. Shivbaba does not narrate the *vani* of *dhaarnaa* because Shivbaba is not a deity. If He is a deity, He will narrate divine *vani*, he will narrate the *vani* related to *dhaarnaa*. If He is the ocean of knowledge, He will narrate the *vani* of knowledge.

समयः 07.10–08.05
जिज्ञासुः बाबा, आज की मुरली में ज्ञान का घमंड का क्या मतलब है?
बाबाः ज्ञान एक से आता है। एक बाप का बच्चा, घमंड होने की बात अच्छी है, खराब है?
जिज्ञासुः अच्छी है। वो स्थूल घमंड? जैसे अहंकार?
बाबाः स्थूल घमंड कहां है? ये तो बेहद का घमंड हो गया। स्थूल घमंड थोडे ही है। हम बेहद के बाप के बच्चे हैं। जैसे कहते हैं आत्मा अभिमान अच्छी चीज है कि खराब चीज है? अभिमान तो खराब चीज है। यह बहुत अभिमान करते है। तुमको अभिमान है क्या? लेकिन स्वाभिमान अच्छी चीज है, खराब चीज़ है? आत्मा का अभिमान अच्छा है या खराब है? आत्मा का अभिमान तो अच्छा है। उस आधार पर कहा गया है।

Time: 07.10-08.05
Student: Baba, what is meant by the ego of knowledge mentioned in today's Murli?
Baba: Knowledge comes from one. Is it good to have the ego, "[We are] the children of the One Father" or is it bad?
Student: It is good. Is that physical ego? Like ego?
Baba: It is not a physical ego. This is ego in an unlimited sense. It is not physical ego. We are the children of the unlimited Father. For example it is said… is soul consciousness good or bad? Ego is bad. [People say,] "He has a lot of ego". "Are you egotistic?" But is *swabhiman* (self-respect) good or bad? Is the consciousness of the soul good or bad? The consciousness of the soul is good. It has been said on that basis.

समयः 08.08–09.13
जिज्ञासुः बाबा ये रूप और बसंत कहते हैं वाणी में....
बाबाः श्याम और सुंदर क्या है? जैसे श्याम–सुंदर की बात बताई...
जिज्ञासुः रूप और बसंत अलग–2 है या एक ही?
बाबाः नहीं। जैसे श्याम सुंदर की बात बताई उस में अंतर सिर्फ है कि एक ही श्याम है एक ही सुंदर है और यहाँ रूप और बसंत जो कहा जाता है उस में एक है रूप और एक है बसंत।
जिज्ञासुः कौन–2 है बाबा ये?
बाबाः लक्ष्मी – नारायण। नारायण है रूप क्योंकि शिव की याद में रहता है। उससे ज्यादा एक्युरेट याद में और कोई रहता नहीं। शिव ही सत्यम, शिवम, सुंदरम है। तो वो रूप है। और नारायणी दिव्य गुणों का आधार है। इसलिए वो बसंत है। बसंत ऋतु में क्या होता है? चारों तरफ खुशबु ही खुशबु होती हैं। तो दिव्य गुणों की खुशबुएँ ज्यादा नारायण में देखने में आवेगी या ज्यादा लक्ष्मी में देखने में आवेगी?
जिज्ञासुः लक्ष्मी में।
बाबाः धारणा शक्ति कौन है?
जिज्ञासुः लक्ष्मी है।
बाबाः लक्ष्मी है।

Time: 08.08-09.13
Student: Baba, Baba speaks about *roop* (beauty) and *basant* (spring) in *vanis*…
Baba: What is *Shyam* (dark) and *Sundar* (beautiful)? Just as it is said about *Shyam* and *Sundar*…
Student: Are *roop* and *basant* one and the same or different?
Baba: No. Just as it is said about *Shyam* and *Sundar*; the only difference in it is that *Shyam* and *Sundar* are one and the same [personality] and here, in the case of *roop* and *basant*, one is *roop* and the other is *basant*.
Student: Who are they Baba?
Baba: Lakshmi-Narayan. Narayan is *roop* because he remains in the remembrance of Shiva. Nobody else remains in an accurate remembrance more than him. Shiva Himself is *Satyam, Shivam, Sundaram*[1]. So, he is *roop*. And Narayani is the base of divine virtues. This is why she is *basant.* What happens in the spring season (*basant ritu*)? There is fragrance everywhere. So, will the fragrance of divine virtues be visible more in Narayan or in Lakshmi?
Student: In Lakshmi.
Baba: Who is the *dhaarnaa shakti?*

[1] The one who is true, benevolent and beautiful.

Student: Lakshmi.
Baba: It is Lakshmi.

समयः 09.15–13.30
जिज्ञासुः बाबा मीरा को किससे टैली किया जाएगा, उसकी भक्ति कृष्ण के लिए?
बाबाः मीरा की भक्ति तो सर्वोपरि भक्ति है। वो तो फर्स्ट क्लास भक्तिन है। उसको अगर टैली भी करें तो कोई पुरूष भक्त से टैली किया जा सकता है। पुरूषों में मुख्य भक्त है नारद। नारद है भक्त शिरोमणी, पुरूषों में और स्त्रियों में भक्त शिरोमणी मीरा।
जिज्ञासुः बाबा नारद का पार्ट कौन बजा रहे है? बेसिक में है या एडवान्स में?
बाबाः नंबरवार नारद हैं।
जिज्ञासुः नंबरवार?
बाबाः एक नारद है क्या? नार –द। नार माना ज्ञान, द माना देने वाला। जैसे कहते हैं नारायण। नार – आयन दो शब्दों को मिलायेंगे तो बनेगा नारायण। नार माना ज्ञान जल, आयन माना घर। माना ज्ञान जल ही जिसका घर है। नेपाल में तो खास यादगार बनी हुई है।

Time: 09.15-13.30
Student: Baba, with whom will [the part of] Meera be tallied on the basis of her devotion for Krishna?
Baba: Meera's *bhakti* is the highest *bhakti.* She is a first class *bhaktin* (female devotee). If she is to be tallied, she can be tallied with a male *bhakt* (devotee). Among males, the main *bhakt* is Narad. Narad is the *bhakt shiromani* (the highest gem among *bhakts*) among the males and Meera is the *bhakt shiromani* among the females.
Student: Baba, who is playing the part of Narad? Is he in the basic (knowledge) or in the advance (knowledge)?
Baba: There are number wise Narads.
Student: Number wise?
Baba: Is there one Narad? *Naar – da*. *Naar* means knowledge; *da* means giver. For example it is said Narayan; if you join the two words *'Naar'* and *'Ayan'*, it will form [the word] Narayan. *Naar* means the water of knowledge, *ayan* means home. It means the one for whom the water of knowledge itself is the home. There is a special memorial of it in Nepal.

जिज्ञासुः बूढ़ा नीलकंठ।
बाबाः हाँ, बूढ़ा नीलकंठ। तो जैसे यादगार बनी हुई है नारायण तो वो तो हो गया संपन्न रूप। लेकिन जो अधूरा रूप है नारायण का वो ही नारद है। नार माना ज्ञान जल, द माना देने वाला दूसरों–2 को तो सारी दुनिया में ज्ञान जल देता फिरता है। लेकिन खुद? खुद उतना धारण नहीं है। उसमें नंबरवार हैं। संगमयुगी नारायण। फिर उसके बाद सतयुग का फर्स्ट नारायण फिर उसके बाद नंबरवार सतयुग के और और नारायण। तो जो सतयुग का आठवाँ नारायण है वो प्रत्यक्ष दिखाई पडेगा नारद। और जैसे–2 उपर चढ़ते चले जाओ वैसे–2 वो गुप्त नारायण है।
जिज्ञासुः बाबा नेपाल में ही बूढ़ा नीलकंठ का बनना, पशुपतिनाथ का बनना, और महाकाली का बनना....
बाबाः नई दुनियॉ का पालना करने वाला कौन सा है? कौन सा नारायण है? अरे! नई दुनियॉ की पालना करने वाला पुराना नारायण है या नया नारायण है?
जिज्ञासुः नया नारायण।
बाबाः तो पुराना होगा तो बूढ़ा होगा कि नहीं होगा? बूढ़ा माना अनुभवी।
जिज्ञासुः तो नीलकंठ .....

बाबा: नीलकंठ कहा जाता है शंकर को। तो शंकर और नारायण एक ही व्यक्तित्व के नाम है कि अलग–2 नाम है ?
जिज्ञासु: एक ही व्यक्तित्व के।

Student: *Budha Neelkanth* (Aged Neelkanth).
Baba: Yes, *Budha Neelkanth.* So, just like the memorial of Narayna has been established; that is the perfect form. But the incomplete form of Narayan himself is Narad. *Naar* means the water of knowledge, *da* means giver. He roams around giving the water of knowledge to others in the entire world but what about himself? He does not inculcate it (knowledge) to that extent himself. They are number wise in that. The Confluence Age Narayan; then after that the first Narayan of the Golden Age; then after that the other numberwise Narayans of the Golden Age. So, the eighth Narayan of the Golden Age will be directly visible [in the form of] Narad. And as you go up (to the first Narayan), he is an incognito Narayan.
Student: Baba, [the memorial] of the *Budha Neelkanth*, Pashupatinath, and Mahakali is only in Nepal.
Baba: Which one sustains the new world? Which Narayan? Arey, does the old Narayan or the new Narayan sustain the new world?
Student: The new Narayan.
Baba: So, will he become aged when he is old or not? Aged means experienced.
Student: So, as regards Neelkanth...
Baba: Shankar is called Neelkanth. Is Shankar and Narayan the name of the same personality or are they different names?
Student: Of the same personality.

बाबा: नेक्स्ट टू गॉड़ इज़ शंकर, नेक्स्ट टू गॉड़ इज़ नारायण, नेक्स्ट टू गॉड़ इज़ कृष्ण, नेक्स्ट टू गॉड़ इज़ प्रजापिता । तो ये चारों शब्द एक ही हुए की अलग–2 हुए?
जिज्ञासु: एक ही हुए।
बाबा: एक ही हुए। अब उसको, नारायण को भी सर्पों के बिल्कुल नजदीक दिखा दिया है, उनके संसर्ग–संपर्क–संबंध में जुटा हुआ है; कोई असर नहीं पड रहा है। ऐसे ही शंकर जी को भी कमर में, बगलों में, गले में, सर के उपर। चारों तरफ संसर्ग संपर्क संबंध किसका जुटा हुआ है? सर्पों का। काले सर्पों का। सर्प माना? कामी, क्रोधी, लोभी, मोही, अहंकारी। जैसे कहावत है भक्तिमार्ग में ''चंदन विष व्यापत नहीं लिपटे रहत भुजंग''। चंदन का जो वृक्ष है इतना सुगंध देने वाला संपूर्ण लकडी है कि उस में चारों तरफ से सर्प लिपटे रहते हैं जिन में विष ही विष भरा हुआ होता है। लेकिन फिर भी चंदन के उपर कोई असर नहीं पडता, वो फिर भी सुगंध देता है। इसके लिए बोला हुआ है ''सौ बगुलों के बीच में एक हंस अपनी मस्ती में बना रहे'' तो वो यादगार है बूढ़े नीलकंठ की।

Baba: Next to God is Shankar, next to God is Narayan, next to God is Krishna, [and] next to God is Prajapita. So, are all these four words same or different?
Student: They are the same.
Baba: They are the same. Narayan is also shown very close to snakes, he is engaged in their contact, connection and relationship, [yet] he does not appear to be influenced by them. Similarly, in whose contact, connection and relationship is Shankar*ji* engaged in all the four directions through his waist, arms, neck, and head? [He is engaged] with snakes, with black snakes. What is meant by snakes? Lustful, angry, greedy, attached [and] egotistic. For example, there is a saying in the path of *bhakti, 'Chandan vish vyaapat nahi liptey rahat bhujang'*. The wood of the Sandalwood tree is such a complete wood which gives such a

fragrance that snakes full of poison are coiled around it. Yet, the sandalwood is not affected by it; it still gives out fragrance. For this, it has been said, "One swan should remain in its intoxication among a hundred herons". So, that is a memorial of the old Neelkanth.

समयः 13.30–16.02
जिज्ञासुः बाबा, भक्ति मार्ग में रामायण पढ़ने से पहले हनुमान चालीसा क्यों पढ़ते हैं?
बाबाः राम का जो जीवन चरित्र है वो पहले प्रत्यक्ष होता है या कृष्ण वाली आत्मा पहले प्रत्यक्ष होती है संगम युग में?
जिज्ञासुः कृष्ण वाली आत्मा।
बाबाः कृष्ण वाली आत्मा पहले। बाद में सन 76 के बाद फिर राम वाली आत्मा की प्रत्यक्षता होती है। तो राम वाला काम बाद में हुआ है और कृष्ण वाली आत्मा का काम पहले हुआ है। इसलिए पहले हनुमान चालीसा। हनुमान का पार्ट किसका है? इस समय जो राम वाली आत्मा है उसको इन्स्पिरेट करने की सेवा कौनसी आत्मा कर रही है?
जिज्ञासुः कृष्ण की आत्मा ।

Time: 13.30-16.02
Student: Baba, why do people read Hanuman Chalisa[2] before reading the Ramayana in the path of *bhakti*?
Baba: Is the life-story of Ram revealed first or is the soul of Krishna revealed first in the Confluence Age?
Student: The soul of Krishna.
Baba: First the soul of Krishna. Later on, after the year 1976, the soul of Ram is revealed. The task of Ram took place later and the task of the soul of Krishna has taken place first. This is why Hanuman Chalisa comes first. Who plays the part of Hanuman? Which soul is doing the service of inspiriting (i.e. inspiring) the soul of Ram at present?
Student: The soul of Krishna.

बाबाः तीन पार्टियाँ हैं एडवान्स पार्टी में; एक इन्स्पिरेटिंग पार्टी, एक प्लानिंग पार्टी और एक प्रैक्टिकल पार्टी। तो ब्रह्मा बाबा कौनसी पार्टी के शिरोमणी है? इन्स्पिरेटिंग पार्टी के शिरोमणी है। तो इन्स्पिरेटिंग पार्टी का जो शिरोमणी है अव्वल नंबर में सेवा करनेवाला तो वो है। किसकी सेवा करता है? राम, लक्ष्मण की ही सेवा करेगा ना। वो साकार में है। उनको पवन सुत कहा जाता है। किसके बच्चे? हवा के बच्चे। हवा का बच्चा हवा ही होगा कि स्थूल होगा? हवा ही होगा। कहते हैं अपने कंधों पे बैठाके हवा में उडा उडा के ले जाते थे। इसका क्या मतलब हुआ? जो एडवान्स पार्टी की आत्मायें हैं उन में इन्स्पिरेटिंग पार्टी की आत्मायें प्रवेश करके उनको ऊँचा उठाती हैं, उडाती हैं। ज्यादा ताकत सूक्ष्म शरीर धारियों में होती है या स्थूल शरीर धारण करने वालों में होती हैं?
जिज्ञासुः सूक्ष्म शरीर धारियों में।
बाबाः सूक्ष्म शरीर धारण करने वालों में ज्यादा ताकत होती है।
जिज्ञासुः .... अही रावण से राम और लक्ष्मण को बचाने जाता है। राम, लक्ष्मण कौन है?
बाबाः राम, लक्ष्मण कौन है? कोई दूसरे–2 राम, लक्ष्मण होते हैं? वो ही राम, लक्ष्मण वो ही हनुमान।

Baba: There are three parties in the advance party. One is the inspiriting party, one is the planning party and the other is the practical party. So, Brahma Baba is the *shiromani* of

[2] Praises of Hanuman

which party? He is the *shiromani* of the inspiriting party. So, the *shiromani* of the inspiriting party does number one service. Whom does he serve? He will serve only Ram and Lakshman, won't he? He is in a corporeal form. He is called the son of the wind (*pavansut*). Whose son? The son of the air. Will the child of air be air or will he be physical? He will be air. It is said that he used to make people sit on his shoulders and fly. What does it mean? The souls of the inspiriting party enter in the souls of the advance party and make them rise high, make them fly. Do the subtle bodied beings have more power or do those who have a physical body have more power?
Student: The subtle bodied beings.
Baba: Those who take on a subtle body have more power.
Student: He goes to save Ram and Lakshman from Ahi Ravan. Who are Ram and Lakshman?
Baba: Who are Ram and Lakshman? Is there anyone else playing the role of Ram and Lakshman? The same people play the role of Ram, Lakshman and Hanuman.

समयः 16.04–18.35
जिज्ञासुः पूरी रामायण में सुंदर कांड का इतना महत्व क्यों है?
बाबाः ज्यादा सुंदर है ना। सुंदरता को सब कोई पसंद करता है। ऐसा कोई है जो सुंदरता को पसंद न करता हो? इस कलियुगी दुनिया में तो सुंदरता को ही ज्यादा पसंद करते हैं। शिव के है ही तीन रूपः सत्यम, शिवम, सुंदरम। तो सत्यम कहाँ, कौनसे युग में होता है सत्यम? सतयुग में सत्यम, 100% सत्य वहाँ होता है। फिर? फिर शिवम्, कल्याणकारी। दो हैं; एक सत्ययुग का अधिष्ठाता और एक है त्रेता का अधिष्ठाता। त्रेता का गायन किसका है? राम का। और सतयुग का गायन किसका है? कृष्ण का। हे! कृष्ण नारायण वासुदेव। सतयुग में राज्य किसका होता है? कृष्ण का, नारायण का, वासुदेव का उनका राज्य होता है। तो सत्यम है सतयुग में और राम वाली आत्मा है त्रेता में। क्यों? वो शिवम कैसे है?
जिज्ञासुः कल्याणकारी।

Time: 16.04-18.35
Student: Why is *Sundar Kaand* (a chapter in the epic Ramayana devoted to the childhood phase of Ram) so important in the entire Ramayana?
Baba: It is more beautiful (*sundar*), isn't it? Everyone likes beauty. Is there anyone who doesn't like beauty? In this Iron Age world people like beauty all the more. There are three forms of Shiva: *Satyam* (truthful), *Shivam* (benevolent), *Sundaram* (beautiful). So, in which age is there *Satyam* (truth)? There is truth in the Golden Age (*Satyug*); there is 100% truth there. Then? Then *Shivam*, benevolent (*kalyaankaari*). There are two [rulers]; one is the ruler of the Golden Age and the other is the ruler of the Silver Age. Who is famous in the Silver Age? Ram. And who is famous in the Golden Age? Krishna. '*He Krishna, Narayan, Vasudev*[3].' Whose rule exists in the Golden Age? There is the rule of Krishna, Narayana, Vasudev (in the Golden Age). So, there is truth in the Golden Age and there is the soul of Ram in the Silver Age. Why? How is he *Shivam*?
Student: Benevolent.

बाबाः हाँ, क्योंकि कल्याण जितना कृष्ण की आत्मा नहीं कर पाती है उससे जास्ती कल्याण सारी दुनिया का राम वाली आत्मा करती है। दो ऋषि गाये गये हैं। एक वशिष्ठ ऋषि और उनके मुकाबले में दूसरे विश्वामित्र। उनका नाम विश्वामित्र क्यों पड़ा? सारे विश्व का कल्याण

[3] Verses praising the names of Vishnu

करने वाले विश्वामित्र। थे तो क्षत्रिय। लेकिन उन्होंने सारे विश्व का कल्याण किया। और वशिष्ठजी को विश्वामित्र के लिस्ट में नहीं डाला जा सकता। ज्यादा पावरफुल कौन थे? वशिष्ठ ऋषि या विश्वामित्र?
जिज्ञासुः पावरफुल तो वशिष्ठ था।
बाबाः वशिष्ठ थे? फिर हराया किसने किसको? पहले वशिष्ठ ने हराया। लेकिन फिर उन्होंने तपस्या की। और तपस्या के बल से वशिष्ठजी को हरा दिया। इसका मतलब तपस्या से ज्यादा पावरफुल कोई और तरीका नहीं होता। तपस्या है आत्मिक स्थिति। अपने को, देह को भूलना और अपने आत्मिक स्वरूप में स्थित रहना यही तपस्या है।

Baba: Yes. Because the soul of Ram is able to bring about more benefit to the world when compared to the soul of Krishna. Two sages are famous. One is sage Vashishth and when compared to him there is sage Vishwamitra. Why was he named Vishwamitra? The one who brings benefit to the entire world (*vishwa*) [is] Vishwamitra. He was indeed a *Kshatriya*[4]. But he brought the benefit to the entire world. And Vashishth*ji* cannot be put in the list of Vishwamitra. Who was more powerful between them? Was it sage Vashishth or Vishwamitra?
Student: Vashishth was powerful.
Baba: Was Vashishth [powerful]? Then who defeated whom? First Vashishth defeated (Vishwamitra). But then he performed *tapasya.* And with the power of *tapasya* he defeated Vashisht*ji*. It means that there is no method more powerful than *tapasya.* The soul conscious stage is *tapasya*. Forgetting the the body and becoming constant in the soul conscious form itself is *tapasya*.

समयः 18.36–20.30
जिज्ञासुः विश्वामित्र राम लक्ष्मण को लेके गया ना जब वो नहीं कर पाया?
बाबाः क्या?
जिज्ञासुः जब वो वध नहीं कर पाया.....
बाबाः अरे, वहाँ बात हो रही है विश्वामित्र ने गऊ के लिए लडाई लडी, यह गऊ हमे चाहिए, उन्होंने मना कर दिया तो विश्वामित्र अहंकार में आ गए उन्होंने अपने अस्त्र–शस्त्र छोड दिए। उन शस्त्रों का मुकाबला उन्होंने अपने पवित्रता के दंड से किया, वशिष्ठ ने। पवित्रता के दंड से जब सारा मुकाबला कर लिया उनके कोई अस्त्र–शस्त्र काम नहीं कर पाए तो उनको आश्चर्य हुआ, अरे! मेरे तो सारे अस्त्र–शस्त्र इसने धराशायी कर दिए। ये ज्ञान के अस्त्र–शस्त्र बेकार है, तब उन्होंने तपस्या की। और तपस्या से जो वशिष्ठ ऋषि के पास ब्रह्मत्व की पावर थी वो ब्रह्मत्व की पावर उन्होंने धारण कर ली, वो पावर धारण करने के बाद उन्होंने वशिष्ठ ऋषि को हरा दिया। क्योंकि वशिष्ठ ऋषि विश्वामित्र तो थे नहीं। जो ब्राह्मण होते हैं वो ब्राह्मण सो देवता बनते हैं और देवतायें देवताओं को सपोर्ट करते है कि असुरों को सपोर्ट करते है? वो सिर्फ देवताओं को सपोर्ट करते हैं और शंकरजी या राम? वो सारे विश्व को सपोर्ट करनेवाले हैं, सारे विश्व का भला करनेवाले हैं। जो पतित है, जो गिरे हुए हैं, जो राक्षस है उनको भी सपोर्ट करते हैं और जो उठे हुए हैं उनको भी सपोर्ट करते हैं। सारी दुनिया उनका बच्चा है इसीलिए सत्यम, शिवम, और सुंदरम कलियुग में। शिव के ये तीन रूप है। सत्यम कृष्ण के रूप में, शिवम राम वाली आत्मा के रूप में और सुंदरम? शिव का जो सुंदर स्वरूप है वो द्वापर और कलियुगी शुटिंग में संसार के सामने प्रत्यक्ष होता है।

Time: 18.36-20.30

[4] A member of the warrior class

Student: When Vishwamitra could not accomplish the task himself, he took Ram and Lakshman with him.
Baba: What?
Student: When he was unable to kill (the demons).....
Baba: Arey, here we are talking about Vishwamitra, who fought a war for the (Kamdhenu) cow; [He said:] I want this cow; he (i.e. Sage Vashishth) refused; then Vishwamitra became egotistic and used his weapons. Vashishth countered those weapons with his stick (*dand*) of purity. When he countered all the weapons with the stick of purity, when none of his weapons proved useful, then he felt surprised, "Arey, he has destroyed all my weapons. These weapons of knowledge are a waste". Then he did *tapasya*. Through *tapasya* he acquired the power of *Brahmatwa*[5] which sage Vashishth had. After acquiring that power he defeated sage Vashishth because sage Vashishth was not Vishwamitra. The Brahmins are transformed from Brahmins to deities and do deities support the deities or do they support the demons? They support only the deities and what about Shankar*ji* or Ram? They support the entire world; they bring benefit to the entire world. They support those who are sinful, those who have fallen down, the demons as well as those who have risen. The entire world is their progeny, this is why He is *Satyam, Shivam* and he is *Sundaram* in the Iron Age. These are the three forms of Shiva. *Satyam,* in the form of Krishna, *Shivam,* in the form of the soul of Ram and *Sundaram*? The beautiful form of Shiva is revealed in front of the world in the shooting of the Copper and Iron Ages.

समयः 20.33–25.38
जिज्ञासुः बाबा शंकर के मस्तक में गंगा क्यों बैठी है?
बाबाः क्योंकि जब तक कोई बच्चा बहुत प्यारा जब तक न बने तब तक माँ–बाप उसको अपने सर पर नहीं चढ़ाते हैं। जो बच्चा बहुत प्यारा होता है न, बहुत अच्छा शोभनिक होता है, बहुत अच्छा गुणवाला, बहुत अच्छी बात करता है तो माँ–बाप क्या करते हैं, प्यार में आके? उसको सर पे चढ़ा देते हैं। यहाँ भगवान किन बच्चों को प्यार करते हैं? जो सर्विसेबुल बच्चे होते हैं उनको प्यार करते हैं। उत्तर भारत वालों की सर्विस अभी तक भी एडवांस वालों में कोई नहीं कर सका। कोई कर सका? दक्षिण भारत वालों की तो सर्विस की, पूर्वी भारत वालों की सर्विस की, लेकिन उत्तर भारत के उत्तर प्रदेश वासियों की, राजस्थानियों की, मध्यप्रदेश वालों की सर्विस अभी तक कोई कर सका? नहीं कर सका। गंगा निकलती है तो उत्तर प्रदेश वालों की सर्विस हो जाती है। जब उत्तर प्रदेश जगेगा तो सारे संन्यासी जग जायेंगे। क्योंकि संन्यासी कहाँ बैठते हैं? गंगाजी के किनारे। और मुरली में भी बोला है बाबा ने – जब संन्यासी निकलेंगे तो तुम बच्चों की विजय हो जायेगी। क्या? गंगाजी के किनारे के ये संन्यासी जब निकलेंगे तो गंगा के जोर से निकलेंगे या अपने आप निकलेंगे? कब निकलेंगे? गंगा निकलेगी, गंगा सेवा करेगी तो संन्यासी भी निकलेंगे। तो पवित्रता के जोर से फिर तुम बच्चों की विजय हो जावेगी।

Time: 20.33-25.38
Student: Baba, why is Ganga sitting on the forehead of Shankar?
Baba: It is because unless a child is not very dear, the parents do not make him sit on their head[6]. The child who is very dear, very beautiful, very virtuous, who talks very nicely, then

[5] Power of being a Brahmin
[6] An expression, which means to pamper a child

what do the parents do out of love? They make him sit on their head. Here, which children does God love? He loves the serviceable children. Nobody among the advance party has been able to do the service of the north Indians. Has anyone been able to do it? They did do the service of the the south Indians, they did the service of the east Indians, but has anyone been able to do the service of the residents of north India, the residents of Uttar Pradesh, Rajasthan, Madhya Pradesh? They haven't been able to do their service. When Ganga comes, the service of the residents of Uttar Pradesh takes place. When Uttar Pradesh wakes up, then all the *sanyasis* will wake up because where do the *sanyasis* sit? On the banks of Ganga*ji*. And Baba has also said in the Murli that you children will gain victory when the *sanyasis* come. What? So, when these *sanyasis* living on the banks of the Ganga*ji* come, will they come due to the force of Ganga or will they come on their own? When will they come? When Ganga comes, when Ganga starts the service, then the *sanyasis* will also come. Then you children will gain victory through the force of purity.

इसीलिए गंगा को जो जगतपिता है वो कहाँ बैठा लेता है? सर के उपर। जो अष्ट देव हैं, आठ रतन उनको भी उपर बैठाता है लेकिन उनके बीच में किसको बैठा देता है? गंगा को सर के उपर बैठाता है। भले गंगा अष्टदेवों में नहीं है; क्या? फिर भी ज्यादा सेवा करने के कारण गंगा को उपर बैठाया जाता है। लेकिन वही गंगा जब बाप के संबंध–सम्पर्क में हैं, बाप से कनेक्शन जुटा हुआ है तो पतित–पावनी है। जब तक गंगा का कनेक्शन बाप से जुटा हुआ नहीं है तो नदी नहीं वो नाला हो गई। राम तेरी गंगा मैली हो गई।
जिज्ञासुः गंगा कब निकलेगी बाबा?
बाबाः जब निकलेगी तो सबका कल्याण हो जाएगा।
जिज्ञासुः बाबा गंगा को लाने वाले तो भगीरथ है।
बाबाः तो भाग्यशाली रथ है कौन?
जिज्ञासुः भाग्यशाली बाबा है।

This is why where does the the fathe of the world (*Jagatpita*) make Ganga to sit? On the head. He makes the eight deities, the eight gems sit on the head as well, but whom does he make to sit in their center? He makes Ganga to sit on the head. Although Ganga is not included among the eight deities; what? Yet, because of doing more service Ganga is made to sit above. But as long as the same Ganga is in relationship and contact with the father, as long as she has a connection with the father, she is the purifier of the sinful ones. As long as Ganga does not have a connection with the father, she is not a river but a drain. (There is a Hindi film song) *Ram teri Ganga maili ho gayi* (Ram! Your Ganga has become dirty).
Student: When will Ganga come Baba?
Baba: When she comes, everyone will be benefited.
Student: Baba, it is Bhagirath who brings down the Ganga.
Baba: So, who is the fortunate chariot?
Student: The one who is fortunate (*bhaagyashaali*) is Baba.

बाबाः भागीरथ ने आदि में भी निकाला होगा। एडवांस ज्ञान जब शुरू हुआ होगा तो भागीरथ ने उसको ज्ञान दिया होगा। सतोप्रधान स्टेज का ज्ञान जरूर गंगा ने उठाया होगा। लेकिन उसके संस्कार हैं संन्यासी के तो उठाया तो सतोप्रधान ज्ञान लेकिन संन्यास धर्म की तरफ चली गई। तो जब संन्यास हो गया तो बिछुड गई। फिर संबंध जुटेगा तो फिर काम करके दिखाएगी। इसीलिए भक्तिमार्ग में शंकर की जटाओं में सिर्फ पानी की धारा नहीं दिखाते हैं। क्या दिखाते हैं? पानी की धारा.... कोई माता का चेहरा भी नहीं दिखाया, कोई जानवर का चेहरा भी नहीं दिखाया है, किसका ? कन्या का चेहरा दिखाया । माने कोई कन्या है जो

एडवांस में भी मान्य है और बेसिक नॉलेज वालों के बीच में भी मान्य है। उस कन्या ने एडवांस ज्ञान सतोप्रधान स्टेज में लिया है, लम्बे समय तक, गहराई से लिया है। फिर जैसे संन्यासी होते हैं अहंकारी होते हैं। अहंकार में आकर के टूट पडे।

Baba: Bhagirath must have brought her even in the beginning; when the advance knowledge must have started, Bhaagirath must have given her the knowledge. Ganga must have certainly grasped the knowledge of the *satopradhan* stage. But she has the *sanskars* of *sanyasis*; so, she did grasp the *satopradhan* knowledge, but she went towards the *Sanyas* religion. So, when she took *sanyas*[7] she was separated. When her relationship is established once again, she will prove herself by performing the task. This is why in the path of *bhakti*, they do not show just a stream of water emerging from the hairlocks of Shankar; what do they show? Water stream.... A mother's face has not been shown, an animal's face has not been shown either; whose face has been shown? A virgin's face has been shown. It means that there is some virgin who is respected in the advance (party) as well as among the followers of the basic knowledge. That virgin has obtained the advance knowledge in a *satopradhan* stage for a long time and she has taken it deeply. Then, just like the *sanyasis* are egotistic; she broke away due to ego.

जिज्ञासुः बाबा यू.पी. में सेवा तो हो ही रही है। जब बाप का ही ....
बाबाः फर्रूखाबाद में कितनी सेवा हो रही है?
जिज्ञासुः ऐसा क्यों बाबा? ऐसा क्यों बाबा फर्रूखाबाद में?
बाबाः क्योंकि गंगा नहीं निकली है। अभी तो बताया। गंगा निकलेगी तो उत्तर भारत में सेवा होगी। गंगा का क्षेत्र है। मगरमच्छों का देश जगेगा कब? मगरमच्छ रहते कहाँ हैं? गंगा के ...
जिज्ञासुः किनारे। अपने घर के डॉक्टर की वैल्यु नहीं होती है न?
बाबाः हाँ जी, हाँ जी।

Student: Baba, service is indeed going on in U.P. When the father himself….
Baba: How much service is taking place in Farrukhabad?
Student: Why is it so Baba? Why is it so in Farrukhabad?
Baba: It is because Ganga has not come. It was said just now. When Ganga comes, the service will take place in north India. It is an area of Ganga. When will the country of crocodiles wake up? Where do crocodiles live? On [the banks of] Ganga.
Student: On the banks. There is no value of a doctor in his own home, isn't it?
Baba: Yes, yes.

समयः 25.45–28.40
जिज्ञासुः बाबा गणेश जी का नाक लंबी दिखाते हैं क्या है इसका अर्थ?
बाबाः नाक ऊँची होना, नाक लंबी होना अच्छी बात है या खराब बात है?
जिज्ञासुः खराब बात है।
बाबाः खराब बात है नाक ऊँची होना?
जिज्ञासुः अच्छी बात है।
बाबाः अच्छी बात है। तो गणेशजी इतने ज्ञानी थे क्योंकि परमपिता परमात्मा और जगतमाता का सबसे ज्यादा प्यार किसको मिला?

[7] Renunciation

जिज्ञासुः गणेश को।
बाबाः जिसको सबसे जास्ती प्यार मिलता है उसके दिमाग चढ़ जाते हैं। नाक ऊँची हो जाती है।
जिज्ञासुः इसलिए सबसे पहले पूजा होती है।
बाबाः हाँ। पूजा होती है देह की या पूजा होती है आत्मा की?
जिज्ञासुः आत्मा की।
बाबाः आत्मा की पूजा होती है? आत्मा को याद किया जाता है। और पूजा होती है देह की। तो जो पूजा है वो सबसे पहले; देह पहले आगे आ जाती है।

Time: 25.45-28.40
Student: Baba, Ganesh*ji*'s nose is shown to be long; what does it mean?
Baba: Is it good to have a high nose[8], a long nose or is it bad?
Student: It is bad.
Baba: Is it bad to have a high nose?
Student: It is a good thing.
Baba: It is a good thing. So, Ganesh*ji* was so knowledgeable; because who got love of the Supreme Father Supreme Soul and the world mother (*Jagatmata*) the most?
Student: Ganesh.
Baba: The one who gets love the most, becomes very proud, his nose rises high.
Student: This is why he is worshipped first of all.
Baba: Yes. Is the body worshipped or is the soul worshipped?
Student: The soul.
Baba: Is the soul worshipped? A soul is remembered. And it is the body which is worshipped. So, in case of worship; the body comes first.

जिज्ञासुः भक्ति मार्ग में गणेश की पूजा करते हैं ना सबसे पहले। ज्ञानमार्ग में तो शिव को मानते हैं ...।
बाबाः अभी बताया कि पूजा के लिए चाहिए शरीर, पूजा के लिए चाहिए स्थूल और याद के लिए चाहिए बिन्दु आत्मा। भक्तिमार्ग में होती है पूजा और ज्ञानमार्ग में होती है याद। तो भक्तिमार्ग में ये जरूरी है कि हमें साकार रूप चाहिए। तो देहाभिमान कौन से जानवर में सबसे जास्ती होता है?
जिज्ञासुः हाथी में।
बाबाः हाथी में सबसे जास्ती देहाभिमान होता है। तो हाथी पहले चाहिए। इसलिए भक्ति मार्ग वाले गणेश को पहले आगे रख देते हैं। बाप को रखना चाहिए आगे कि बच्चे को आगे रखना चाहिए?
जिज्ञासुः नेपाल में गणेश की पूजा बहुत होती है।
बाबाः हाँ, नेपाल में गणेश की ज्यादा पूजा होती है। लेकिन नेपाल में ज्यादा मान्यता किसकी है?
जिज्ञासुः शिव की है, पशुपति की।

Student: In the path of *bhakti* Ganesh is worshipped first of all, isn't he? In the path of knowledge Shiva is remembered….
Baba: Just now it was said that a body is required for worship. A physical thing is required for worship and a point soul is required for remembrance. In the path of *bhakti* there is worship and in the path of knowledge there is remembrance. So, a corporeal form is necessary in the path of *bhakti*. So, which animal has body consciousness the most?

[8] *Naak oonchi rakhna*: to have a good name

Student: The elephant.
Baba: The elephant has body consciousness the most. So, an elephant is required first. This is why people of the path of *bhakti* place Ganesh first. Should they place the father first or the child first?
Student: Ganesh is worshipped a lot in Nepal.
Baba: Yes, Ganesh is worshipped more in Nepal. But whom do the people of Nepal believe more?
Student: Shiva, Pashupati.

जिज्ञासुः बाबा इतने बड़े हाथी और वाहन चूहा! तो...
बाबाः वहाँ बड़े और छोटे की बात थोडे ही है। काम करने वाले की बात है। चूहा क्या करता है? अंदर ही अंदर जमीन को सारा खोदके खोखला कर देता है। मकान में रहने वाले को पता ही नहीं चलता है कि हम खोखले हो गये हैं। ऐसे ही ब्रह्माकुमार–कुमारियों को पता ही नहीं चलता है कि इनके अंदर–2 सारा खोखला कर दिया है किसीने।
जिज्ञासुः एडवान्स वाले सारे चूहा ।
बाबाः नहीं, एडवान्स वाले चूहा नहीं हो गये। जिसकी सवारी है, वो चूहा है। अंदर–अंदर गुप्त पुरूषार्थ करता है ना चूहा।

Student: Baba, such a big elephant (i.e. Ganesh) and his vehicle is a mouse! So,…
Baba: It is not a question of big and small there. It is about the one who performs the task. What does a mouse do? It digs the earth inside and makes it hollow; those who live in the house do not know at all that they have become hollow. Similarly, the Brahmakumar-kumaris do not come to know at all that they have been rendered hollow from inside by someone.
Student: All those who belong to the advance (party) are mice.
Baba: No, those who belong to the advance (party) are not mice. The vehicle is the mouse. The mouse makes hidden *purusharth* within, doesn't it?

समयः 28.48–31.00
जिज्ञासुः बाबा अभी परमपिता परमात्मा शिव को ही समझना है। तब तो अभी कृष्ण और राम नाम सत्य है बोलते हैं इसको भी सभी भूल जाना है ना बाबा? अभी खाली एकदम एक ही गुरू, एक ही सतगुरू, बाबा, एक ही टीचर।
बाबाः समझ लिया। सत्य जो है वो सिर्फ आत्मा को सत्य कहें या आत्मा जब इस सृष्टि पर आकर के साकार के द्वारा कार्य करे तब सतयुग आयेगा? आत्मा है शिव। वो सदैव आत्मा है। कभी भी देह नहीं है। लेकिन वो सत्य शिव जब तक साकार में प्रवेश न करे तब तक सतयुग बनेगा क्या? (किसीने कहा–नहीं।) इसलिए दोनों ही सत्य हैं।

Time: 28.48-31.00
Student: Baba, now we have to consider only Shiva to be the Supreme Father Supreme Soul. People take the name of Krishna and say, *Ram naam satya hai* (The name of Ram is true). We have to forget all this Baba, haven't we? Now we have to become totally empty [and remember] just one Guru, one Satguru, Baba, one teacher.
Baba: I have understood. Will just the soul be called true or will the Golden Age come when the soul comes in this world and works through the corporeal form? The soul is Shiva. He is always a soul. He is never a body. But will the Golden Age be established unless that true Shiva enters a corporeal form? (Someone said: No.) This is why both are true.

वो निराकार ज्योति वो भी सत्य है। लेकिन वो सदा शिव है। सदैव सत्य है। और जिसमें प्रवेश करता है वो सत्य भी है, सत्य का भी बीज है, सतयुग का भी बीज है, देवताओं का भी बीज है और फिर जब तमोप्रधान बनता है तो झूठ का भी बीज वो ही है। इसलिए मुरली में बोला है कि पहले नंबर का ब्राह्मण सो पहले नंबर का देवता सो पहले नंबर का क्षत्रीय सो पहले नंबर का वैश्य सो पहले नंबर का शूद्र। हर बात में पहला नंबर। इसलिए हनुमान चालीसा में क्या लिख दिया? चारों युग प्रताप तुम्हारा, है प्रसिद्ध जगत उजियारा। चारों युगों में तुम्हारा प्रताप फैला हुआ है। सतयुग में भी ऊँच ते ऊँच तुम, त्रेता में भी ऊँच ते ऊँच तुम, द्वापर में भी ऊँच ते ऊँच तुम और कलियुग में भी ऊँच ते ऊँच तुम। कौन? हनुमान के लिए बोला है ना! और हनुमान तो कोई दूसरा है ही नहीं; जो कृष्ण वाली आत्मा है, राम के व्यक्तित्व में प्रवेश करती है, वो ही फिर हनुमान का पार्ट बजाती है।

That incorporeal light is also true. But He is *Sadaa Shiva* (i.e. forever benevolent). He is always true. And the one in whom He enters is also true. He is the seed of truth as well as the Golden Age. He is the seed of the deities as well. And when he becomes *tamopradhan*, he is the seed of falsehood as well. This is why it has been said in the murli that the number one Brahmin is the number one deity, the number one *Kshatriya*[9], the number one *Vaishya*[10] and number one *Shudra*[11]. He is No.1 is every aspect. This is why what was written in Hanuman Chalisa? *"Chaaron yug prataap tumhara, hai prasiddh jagat ujiyara"*. Your glory is spread in all the four ages. You are the highest one in the Golden Age, the highest one in the Silver Age, in the Copper Age as well as in the Iron Age. Who? It has been said for Hanuman, hasn't it? And Hanuman is none else; the soul of Krishna who enters in the personalitly of Ram, plays the part of Hanuman.

समयः 31.04–31.34
जिज्ञासुः बाबा बक्तावर कौन है?
बाबाः बक्तावर माना जो सफल करे वक्त को, वक्त को श्रेष्ठ बनाये। वर माना श्रेष्ठ, वक्त माना समय; बक्तावर माना श्रेष्ठ बनाने वाले। नीच को नहीं कहा जाता बक्तावर। श्रेष्ठ कार्य करने वाले को बक्तावर कहा जाता है।

Time: 31.04-31.34
Student: Baba, who is *Baktavar*?
Baba: *Baktavar* means the one who makes use of time (*vakt*), the one who makes his time elevated. *Var* means elevated; *vakt* means time; *baktavar* means the one who makes [time] elevated. A lowly person is not called *baktaavar*. The one who performs elevated task is called *baktaavar*.

समयः 31.38–33.48
जिज्ञासुः बाबा गुप्तेश्वर....
बाबाः गुप्त रहकर के सारा शासन किया। ईश्वर माना अभी बताया। श्रेष्ठ शासन करने वाला लेकिन गुप्त रह कर के। अपने आप सभी कुछ कर के अपने आप छुपाया। यज्ञ के आदि में भी रानियों को भगाया, माखन चुराया, ये है सारी प्रजापिता की कहानी। है प्रजापिता की

[9] A member of the warrior class
[10] A member of the merchant class
[11] Untouchable; a member of the fourth and the lowest division of the Indo-Aryan society

कहानी लेकिन अपने को छुपा दिया और बच्चे को आगे कर दिया। तो सारी महिमा किसकी हो गई? दादा लेखराज ब्रह्मा की हो गई। तो गुप्तेश्वर हुआ ना।
जिज्ञासुः दादा लेखराज गुप्तेश्वर ।
बाबाः दादा लेखराज कहाँ हुआ वो तो प्रत्यक्ष हो गया सब के सामने अभी। गीता का भगवाान अभी कौन माना जा रहा है? गीता का भगवान साकार में अभी ब्रह्माकुमारियाँ किसको मानती हैं? दादा लेखराज ब्रह्मा को। उसने गुप्त किया क्या? वो तो प्रत्यक्ष हो गया। नाम भी किसका रख दिया ब्रह्माकुमारी विद्यालय में? प्रजापिता का नाम तो हटा दिया। किसको प्रत्यक्ष कर दिया? ब्रह्मा को प्रत्यक्ष कर दिया ना। तो अपने को तो प्रत्यक्ष कर दिया और बाप को? प्रजापिता का नाम गुप्त कर दिया। तो उसे गुप्तेश्वर कहेंगे? अरे, दादा लेखराज ब्रह्मा को गुप्तेश्वर कहेंगे? नहीं कहेंगे। उन्होंने तो अपने आप को प्रत्यक्ष कर दिया। गुप्तेश्वर कौन हुआ? जिसने यज्ञ ....

Time: 31.38-33.48
Student: Baba, *gupteshwar*.....
Baba: The one who ruled while being hidden. *Ishwar* means, just now it was said; the one who rules in an elevated way, but while remaining hidden. He hid himself after doing everything himself. Even in the beginning of the *yagya*, he made the queens to run away, stole the cream, all these are stories of Prajapita. It is indeed the story of Prajapita, but he hid himself and put the child ahead. So, who got all the glory? Dada Lekhraj Brahma got all the glory. So, he became Gupteshwar, didn't he?
Student: Dada Lekhraj is Gupteshwar.
Baba: Dada Lekhraj is not Gupteshwar? He was revealed before everyone now. Who is considered to be the God of Gita now? Whom do the Brahmakumaris believe to be the God of the Gita in a corporeal form? Dada Lekhraj Brahma. Did he do everything while being hidden? He was revealed. Whom did they name in Brahmakumari Vidyalay? The name Prajapita was removed. Who was revealed? Brahma was revealed, wasn't he? So, he revealed himself and what about the Father? He made the name of the Father incognito. So, will he be called Gupteshwar? Arey will Dada Lekhraj Brahma be called *Gupteshwar*? No. He revealed himself. Who is *Gupteshwar*? The one in the *yagya*.....

जिज्ञासुः शिव।
बाबाः हाँ–2 शिव तो है, शिव तो है लेकिन बाबा शब्द भी जुडा हुआ है। बाबा कहते ही हैं साकार निराकार का मेल। माना यज्ञ के आदि में कोई और व्यक्तित्व था। जिसके द्वारा ये सारा कार्य रचा गया। वो ही गुप्तेश्वर हुआ। जो आदि में हैं वही अंत में भी प्रत्यक्ष होगा। अभी भी गुप्त है। अभी अगर गुप्त न होता तो घड़ी 2 अभी संशय आता है। ये क्यों आता? अभी घड़ी 2 संशय आता है कि नहीं बाप के पार्ट के ऊपर? 'अरे! ये भगवान है कि शैतान है? है है है कि नहीं है'

Student: Shiva.
Baba: Yes, no doubt it is Shivbaba; it is Shiva, but the word Baba is also suffixed. Baba refers to the combination of the corporeal and incorporeal. It means that there was some other personalitiy in the beginning of the *yagya* through whom the entire task was created. He himself is Gupteshwar. The one who was in the beginning will be revealed in the end as well. He is still hidden. Had he not been hidden now; why do we you get doubts again and again now? Why does these come? Do you get doubts on the Father's part every moment or not? "Arey! Is He God or Satan? Is He (God) or is He not?

समयः 34.10–35.45
जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मा बाबा ने 12 गुरू क्यों किये? 11, 10 क्यों नहीं किये?
बाबाः ब्रह्मा बाबा जो है उन्होंने यज्ञ के आदि से लेकर के शूटिंग पिरियड में कितने बच्चों की बात मानी? सबकी बात मानते रहे या एक को पहचान कर के एक की बात मानते रहे? (जिज्ञासु–सबकी बात मानते रहें।) चंद्रवंशी बच्चों की भी बात मानी, इस्लामवंशी बच्चे आये उनकी भी बात मानी, कुमारिका दादी की भी बात मानी, विश्वकिशोर भाऊ की भी बात मानी, रमेश भाई आये उनकी भी बात मान ली बम्बई के, क्रिश्च्यिन की भी बात मानी, बौद्धियों की भी बात मान ली। क्या? ऐसे नहीं कि मनमोहिनी दीदी की बात नहीं मानते थे। उनकी भी बात मानी। क्रिश्च्यिन की भी बात मानी, बौद्धियों की भी बात मानी, संन्यासियों की भी बात मानी, सिक्ख धर्म का जो गुरू हुआ, मुखिया हुआ जो ब्रह्माकुमारों में सिक्ख धर्म के मुखिया–2 बच्चे थे उनकी भी बात मानी। माना जो–2 धर्म वाले आते गये उन सबके पांव पड़ते रहे तो भक्त का पार्ट हुआ। तो भक्ति तो सब जगह भटकती है और ज्ञानी?
जिज्ञासुः नहीं भटकते।
बाबाः राम वाली आत्मा है ज्ञानी। वो कहीं भटकने की दरकार है ही नहीं। तो इसलिए 12 गुरू यहाँ शूटिंग पिरियड में भी किये तो वहाँ भक्ति मार्ग में भी 12 गुरू होते हैं।

Time: 34.10-35.45
Student: Baba, why did Brahma Baba have 12 gurus, why didn't he have 11, 10 gurus?
Baba: How many children did Brahma Baba obey in the shooting period from the beginning of the *yagya*? Did he keep obeying everyone or did he recognize one and obey him? (Student: He kept obeying everyone.) He obeyed the *Chandravanshi* children as well as the *Islamvanshi* children who came; he obeyed Kumarika Dadi as well as Vishwakishore bhau; Ramesh bhai of Mumbai came; he obeyed him as well; he obeyed the Christians as well as the Buddhists; what? It is not that he did not obey Manmohini Didi. He obeyed her as well. He obeyed the Christians as well as the Buddhists; he obeyed the Sanyasis as well as the guru of Sikhism, the chief children of Sikhism among the Brahmakumars. It means that he was influenced by [the souls] of all the religions who came; so, his was the part of a *bhakt*. So, *bhakti* makes you wander everywhere and what about a knowledgeable one?
Student: They do not wander.
Baba: The soul of Ram is knowledgeable. There is no need for him to wander anywhere at all. This is why he had 12 gurus here, in the shooting period as well; so, he had 12 gurus there in the path of *bhakti* as well.

समयः 35.48–36.48
जिज्ञासुः कालभैरव क्यों नाम रखा?
बाबाः भैरव कहते हैं भयंकर। काल भैरव माने? काल कहते हैं समय को। समय बड़ा प्रबल है। कहते हैं ना , सबसे जास्ती प्रबल कौन है? समय। तो समय कौन है? उसको काल कहो, ड्रामा कहो; मैं भी ड्रामा के बंधन में बांधा हुआ हूँ। मैं माना भगवान। और भगवान से भी ज्यादा पावरफुल कौन हो गया? काल। काल माना समय। वो ही काल भैरव है। जिसको महाकाल कहा जाता है। महाकाल का रूप है शंकर का। महाकाल और महाकाली।

Time: 35.48-36.48
Student: Why was the name *Kaalbhairav* kept?
Baba: *Bhairav* means ferocious. What is meant by *Kaalbhairav*? *Kaal* means time. Time is very mighty. It is said, isn't it? Who is the strongest one? Time. So, who is time? Call it *kaal*, call it drama; "I am bound in the bondage of drama as well. 'I' means God. And who is more powerful than God? *Kaal. Kaal* means time. He himself is *Kaalbhairav*. He, who is called Mahakaal. Mahakaal is the form of Shankar. Mahakaal and Mahakali.

समयः 36.58–39.34
जिज्ञासुः राम को वनवास क्यों मिला?
बाबाः राम की आत्मा ने 84 जन्म लिए या नहीं लिए?
जिज्ञासुः लिए।
बाबाः 84 जन्म लिये ना? और 84 जन्म लिये तो उन में सबसे बड़ा ते बड़ा, ज्यादा से ज्यादा राजाई किसने की दुनिया में?
जिज्ञासुः राम वाली आत्मा।

Time: 37.00-39.32
Student: Why did Ram get *vanvaas* (banished to spend 14 years in forest)?
Baba: Did the soul of Ram have 84 births or not?
Student: He had.
Baba: He had 84 births, didn't he? And when he had 84 births; who had the biggest kingdom, who ruled the most in the world?
Student: The soul of Ram.

बाबाः राम राजा। राम वाली आत्मा जितना राजाई करती है इतनी राजाई और दुनिया में कोई नहीं करता। तो राम वाली आत्मा जब राजा बनेगी द्वापर, कलियुग में, बड़े–2 राजाओं के बीच में उनका नाम होगा, तो राजायें ज्यादा पाप करते हैं कि नहीं? कोई के ऊपर थोड़ी टेढ़ी नजर हो गई (तो) निकलो हमारे राज्य में से बाहर। राजायें अहंकार में आते थे कि नहीं? (जिज्ञासु–आते थें।) ''तप कर राज राज कर नरका'' तो पाप कर्म बहुत करते थे। ''प्रभुता पाहि काहे मद नाहि!'' जिसको प्रभुता मिल जाती है, कुर्सी मिल जाती है तो उसको बहुत..... क्या आता है? अहंकार बहुत आता है। और जब राजायें अहंकार में आते थे तो किसीको भी, कोई भी दंड दे देते थे। तो राम का राज्य तो अच्छा ही होता है लेकिन अहंकार में आकर के अगर किसीको दंड दे दिया तो बिचारे को कांटों के जंगल में भटकना पड़ेगा कि नहीं? भटकना पड़ेगा ना? इसीलिए उनको कांटों के जंगल में भटकना पड़ता है। 63 जन्मों का हिसाब किताब पूरा होता है। और राम को ही कांटों के जंगल में नहीं भटकना पड़ता है। जितने ही राम के फॉलोअर्स और राम संप्रदाय सबको नंबरवार भटकना पड़ता है। तुमको धक्का मिला कि नहीं?
जिज्ञासुः हाँ।
बाबाः धक्का मिला ना? कभी राजाई की होगी पिछले जन्म में, उनको कान पकड़ कर बाहर किया होगा अपनी राजाई में से, तब तो तुमको धक्का मिला कि ऐसे ही धक्का मिल गया? ये अंतर है कि तुमने अपनी इतनी बड़ी राजाई में से बाहर निकाल दिया खदेड के, उन्होंने अपने सेंटर की चार दीवारी में से निकाल के बाहर कर दिया। हिसाब किताब पूरा हो गया। और एक बात, तुमने जब उनको निकाला था तो भगवान उनका सहयोगी नहीं था। और तुमको जब निकाला गया तो? तो भगवान तुम्हारा सहयोगी है। तो ये कितनी बड़ी प्राप्ति है तुमको।

Baba: Ram, the king. Nobody else in the world rules as much as the soul of Ram does. So, when the soul of Ram becomes a king in the Copper Age, Iron Age, when he becomes famous among big kings, so, do kings commit more sins or not? If they are slightly angry with someone, they order him to leave their kingdom. Did kings develop ego or not? (Student: they did develop.) '*Tap kar raaj aur raaj kar narka*' (attainment of kingship through *tapasya* and attainment of hell after becoming king); so, they used to commit a lot of sins. '*Prabhuta paahi kaahi mad naahi'* (Who doesn't become egotistic on achieving a post?) The one who receives power, seat of power, he develops….? What does he develop? He

develops a lot of ego. And when kings used to become egotistic, then they used to punish anyone. So, Ram's kingdom is certainly good, but if he punishes someone due to ego, will the poor one have to wander in the jungle of thorns or not? He will have to wander, will he not? This is why he has to wander in the jungle of thorns. The karmic accounts of 63 births are settled. And it is not just Ram who has to wander in the jungle of thorns. All the followers of Ram and those of the community of Ram, everyone has to wander number wise. Did you receive blows or not or not?
Student: Yes.
Baba: You received blows, didn't you? You must have ruled in the past births; you must have held them by their ears and chased them out from your kingdom; only then did you receive blows [from them]; or did you receive blows without any reason? This is the difference that you banished them from such a big kingdom and they banished you from the four walls of their center. The account was settled. And another thing: when you banished them, God was not their helper. And what about the time when you were banished? God is your helper. So, this is such a big attainment for you.

समयः 39.36–40.42
जिज्ञासुः बाबा शरीर द्वारा सत कर्म और कुकर्म अनुसार शरीर भोगता है या आत्मा भोगता है?
बाबाः आत्मा सुख और दुःख भोगती है। लेकिन भूत प्रेतों की आत्मा सुख–दुःख भोगती है? दुःख देती भी हैं। सुख लेती है या नहीं?
जिज्ञासुः सुख लेती नहीं।
बाबाः नहीं–2 सुख लेती भी है। दुःख देती भी है। लेकिन उसके पाप कर्म नहीं बनते हैं। वो जिसमें प्रवेश करता है उसके पाप कर्म और पुण्य कर्म बनते हैं। क्या? जैसे ब्रह्मा की सोल है राम वाली आत्मा में प्रवेश करती है। राम वाली आत्मा में प्रवेश करके बापदादा बच्चों से सेवा कराते हैं। तो सेवा का फल विशेष किसको मिलता है? देहधारी को मिलता है या आत्मा को मिलता है? देहधारी को मिलता है। ऐसे ही यहाँ भी है।

Time: 39.36-40.42
Student: Baba, is it the body that experiences the good and bad results of actions or does the soul experience it?
Baba: The soul experiences happiness and sorrow. But do the souls of ghosts and spirits experience happiness and sorrow? It also gives sorrow. Does it take happiness or not?
Student: It does not take happiness.
Baba: No, no, it takes happiness as well gives sorrow. But it does not accumulate sins. The one in whom they enter accumulate sins and merits. What? For example, the soul of Brahma enters the soul of Ram. Bapdada enters in the soul of Ram and enables the children to do service. So, who receives the fruits of service especially? Is it the bodily being or the soul who receive it? The bodily being receives it. Similar is the case here.

समयः 40.45–44.17
जिज्ञासुः बाबा शिवलिंग के ऊपर कभी पांच, कभी सात फन फैलाये हुए दिखाते हैं ना...
बाबाः सर्प?
जिज्ञासुः सर्प। तो विकारी हो गया वो तो फिर।
बाबाः पहले समझना है कि शिवलिंग का क्या है, कौन है? कौन है? शिव कौन है और शिवलिंग कौन है? शिव और शिवलिंग में अंतर है या नहीं है?
जिज्ञासुः अंतर है बाबा।

बाबाः शिव है बिन्दी का नाम। शिवलिंग जो बनाते हैं उसमें बिन्दु रखते हैं। शिवलिंग जो सोमनाथ मंदिर में बनाया उस में हीरे का सितारा रखा। तो सितारा क्या है और वो लिंग क्या है? अंतर है कि नहीं?
जिज्ञासुः है।
बाबाः क्या अंतर है?
जिज्ञासु ने कुछ कहा।

Time: 40.47-44.17
Student: Baba, sometimes five-hooded and sometimes seven-hooded [snakes] are shown on *Shivling*.
Baba: Snake?
Student: Snake. That means he is vicious
Baba: First of all you should understand, what is *Shivling*, who is *Shivling*. Who is it? Who is Shiva and who is *Shivling*? Is there any difference between Shiva and *Shivling* or not?
Student: There is a difference Baba.
Baba: Shiva is the name of the point. A point is placed in the *Shivling*. A diamond star was placed on the *Shivling* built in the temple of Somnath. So, what is that star and what is that *ling*? Is there any difference or not?
Student: There is.
Baba: What is the difference?
Student said something.

बाबाः नहीं। अंतर ये हैं कि वो जो सितारा है वो शिव की यादगार है। मेरी बिन्दी का ही नाम शिव है, वो कभी बदलता नहीं है। ऐसे नहीं की वो बिन्दी बदल कर के इतना बड़ा लिंग हो जाती है। लेकिन मैं जिस में प्रवेश करता हूँ वो पुरूषार्थ के आधार पर ऐसी स्टेज बनाय लेता है परमानेंट कि वो लिंगरूप बन जाता है। वो शरीरधारी ऐसा शरीरधारी बन जाता है जिसको अपने आँख, नाक, कान, इन्द्रियों की जैसे स्मृति ही नहीं रहती। इसलिए जैसे कि कान होते हुए भी, दुनिया की ग्लानी सुनते हुए भी नहीं सुनता। आँख होते हुए भी दुष्ट बच्चों के दुष्ट कर्मों को जैसे देखते हुए भी नहीं देखता। ऐसी उसकी सब कर्मेन्द्रियों का स्वरूप बन जाता है। तो लिंग है प्रजापिता के साकार स्वरूप की निशानी। और बिन्दु है काहे की निशानी? शिव की निशानी। अब तुम्हारे प्रश्न का जवाब हुआ?

Baba: No. The difference is, that star is a memorial of Shiva. The name of only My point (i.e. soul) is Shiva. It never changes. It is not that the point changes into such a big *ling*. But the one in whom I enter reaches such a permanent stage on the basis of *purusharth* that he becomes *ling* like. That bodily being becomes such that he does not remember his eyes, nose, ears, and organs at all. This is why despite having ears, despite hearing the defamation through the world, he does not hear anything. Despite having eyes, despite seeing the wicked actions of wicked children, [it is as if] he does not see it. All of his organs develop such a stage. So, *ling* is a sign of the corporeal form of Prajapita. And whose sign is the point? A sign of Shiva. Well did you get the answer to your question?

जिज्ञासुः नहीं, वो फन... मुझे ये जानना है की ....
बाबाः नहीं। जो शिवलिंग के ऊपर लिंग के ऊपर जो फन है वो कोई दूसरे पांच विकारी हैं। जो रावण के पांच मुख दिखाये जाते हैं। वो पांच मुख हैं– काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार वो पांच विकार अलग हैं। और पांच तत्व हैं। रावण के दूसरे पांच मुख। जिन्हें स्त्री मुख कहा जाता है, जडत्व, जड़तत्व वो है पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश। तो पृथ्वी माता ये कोई आत्मा रही होगी ना? वायुदेवता ये कोई आत्मा रही होगी ना? अग्नि देवता कोई आत्मा

रही होगी ना? तो ये पांच विकारी हैं। पांच विकारी ब्रह्मा वत्स रावण के प्रतिरूप हैं। ये भी एक स्लोगन हो गया। क्या? जिनके चित्र होते हैं वो कोई चरित्रधारी होते हैं कि नहीं होते हैं?
जिज्ञासुः होते हैं।
बाबाः तो रावण का भी चित्र हैं। तो चरित्र खेड़ने वाला कोई होगा या नहीं होगा? तो वो पांच विकारी जो ब्रह्मा वत्स हैं वो रक्षक भी बन जाते हैं। किसके? शिवलिंग के। वो ही सर्प के रूप में दिखाये गये हैं। जो शेष शैया दिखाई गई है।

Student: No, that hood… I want to know that ….
Baba: No, the hoods on the *Shivling*, the *ling* are some other five vicious people. The five heads of Ravan that are shown, those five heads are: lust, anger, attachment, greed, ego. They are the separate five vices. And there are five elements, the other five heads of Ravan which are called the female heads, the non-living elements. They are: earth, water, wind, fire, sky. So, there must be a soul representing mother earth, mustn't there? There must be a soul representing the wind deity, mustn't it? There must be a soul representing the fire deity, mustn't it? So, these are the five vicious ones. The five vicious children of Brahma are forms of Ravan. This is also a slogan. What? Do all those who have pictures (*chitra*) have any character (*charitra*) or not?
Student: They do have.
Baba: So, there is a picture of Ravan as well. So, there must be someone playing this character or not? So, the five vicious children of Brahma become guards as well. Whose? Of *Shivling*. They themselves have been shown as snakes, the bed of snakes (*shesh shaiyya*).

समयः 44.20 – 45.55
जिज्ञासुः बाबा, पंचामृत चढ़ाते हैं ना शिवलिंग पर, उसका मतलब क्या है? शिवलिंग के ऊपर गाय का दूध चढ़ाते हैं।
बाबाः गाय का दूध अमृत नहीं है?
जिज्ञासुः नहीं। पंचामृत में पाँचों आ गयें ना।
बाबाः जो भी पांच अमृत डाले जाते हैं; गाय का गोबर, गाय का दूध, गाय का घी, ये डालते हैं ना? गाय का दही। ये सब अमृत ही हैं। गाय कौन है? कन्याएँ, मातायें ही गाय हैं। गउओं के मुख से ज्ञानामृत पंचामृत का काम करेगा या पुरूषों के मुख से जो ज्ञान सुनाया जायेगा उससे सद्गति होगी?
जिज्ञासुः कन्याओं का मुख से।
बाबाः क्यों? कन्या ने तो अपना नाम पहले ले लिया। माताओं को छोड़ दिया। कन्याएँ, मातायें दोनों ही। दोनों ही गउएँ हैं। कन्याएँ भी गउएँ हैं और मातायें भी गउएँ हैं। गउओं के मुख से जो ज्ञानामृत निकलेगा उस ज्ञानामृत से गंगा बहती है। इसलिए भक्तिमार्ग में क्या दिखा दिया? गौ मुख से गंगा निकली। गंगाजी जहाँ से उतरती हुई दिखाई गई है ना वहाँ गौ मुख दिखाया गया पहाड के ऊपर और गौ मुख से पानी निकलता है। वो पानी नीचे आकर के फिर गंगा बन जाता है।

Time: 44.20-45.55
Student: Baba, *panchaamrit*[12] is offered to *shivling*, isn't it? What is its meaning? Cow's milk is offered to *shivling*.
Baba: Is cow's milk not nectar?
Student: No. All the five ingredients are included in *panchamrit* aren't they?

[12] A kind of edible offering with five ingredients

Baba: The five nectars that are offered; cow's dung, cow's milk, cow's ghee; they offer these things, don't they? Curd of cow's milk; all these are nectars. Who is a cow? The virgins and mothers themselves are cows. Will the nectar of knowledge from the mouth of cows work like *panchamrit* or will the true salvation take place if the knowledge is narrated through the mouth of males?
Student: Through the mouth of virgins.
Baba: Why? The virgin has mentioned her name first left the mothers.☺ Both virgins and mothers are cows. The virgins as well as the mothers are cows. The nectar of knowledge that emerges from the mouth of cows causes the the Ganga to flow. This is why what has been shown in the path of *bhakti*? Ganga emerged from *Gaumukh* (the mouth of a cow). The place from where Ganga*ji* is shown to be coming down; there a mouth of a cow has been shown on the mountains and water emerges from the mouth of that cow. That water comes down and becomes Ganga.

समयः 45.56 – 47.25
जिज्ञासुः कलियुग में केवल नाम आधारा सुमरे–2 नर उतरे पारा। ये शूटिंग काल में कैसे होगा?
बाबाः भक्तिमार्ग में नाम की महिमा है। लेकिन भक्त बिचारे जानते नहीं है नाम का आधार क्या है। नाम क्यों होता है किसीका बाला? कोई भी व्यक्ति का नाम बाला क्यों हो जाता है? जरूर उसने कोई काम किया है। इस बात पर भक्त लोग विचार नहीं करते। है काम की बात कि किसने कितना बड़ा काम किया है, उस बड़े काम के आधार पर उसका इतना बड़ा नाम भक्तिमार्ग में बाला हो जाता है। तो भक्त लोग सिर्फ यही कहते हैं नाम लेते रहो, नाम लो, नाम लो। लेकिन उनकी समझ में ये बात नहीं बैठती है, नाम अपने आप नहीं हो जाता। नाम काम के आधार पर होता है। तो काम करना अच्छा या नाम लेना, नाम जपना अच्छा? काम करना अच्छा। बातें कम और काम ज्यादा। तो अभी ये संगमयुग की बात है। संगमयुग में जो कुछ भी होता है। वो सब प्रैक्टिकल होता है। और भक्तिमार्ग में प्रैक्टिकल कुछ भी नहीं और बतबड बहुत ज्यादा होता है। तो भक्तिमार्ग में है नाम और ज्ञानमार्ग में है काम। काम ज्यादा प्यारा या चाम ज्यादा प्यारा या नाम ज्यादा प्यारा?
जिज्ञासुः काम ज्यादा प्यारा।
बाबाः ना नाम ज्यादा प्यारा, ना चाम ज्यादा प्यारा। काम करके जो दिखाये सो ज्यादा प्यारा।

Time: 45.56-47.25
Student: *Kaliyug me keval naam aadhaara, sumare-2 nar utarey para* (The name of God is the only support in the Iron Age; a man crosses over by chanting it). How will this happen in the shooting period?
Baba: There is a glory of [God's] name in the path of *bhakti*. But the poor devotees do not know what the basis of name is. Why does someone's name become famous? Why does a person's name become famous? Certainly he has performed some task. Devotees do not think on this aspect. It is about the work that someone's name becomes famous in the path of *bhakti* on the basis of the big task he has performed. So, the *bhakts* just keep saying: "Go on chanting the name [of God]". But they do not understand that the name does not become famous simply, [it becomes famous] on the basis of the task performed. So, is it better to perform the task or to chant the name? It is better to perform the task. Talk less and work more. So, it is about the Confluence Age now. Whatever happens in the Confluence Age happens in practical. And in the path of *bhakti* they don't do anything in practical but just talk more. So, there is [the glory of] name (*naam*) in the path of *bhakti* and there is [the glory of] the task (*kaam*) in the path of knowledge. Is the task dearer, the skin (looks) dearer or the name dearer?

Student: The task is dearer.
Baba: Neither the name is dearer nor the skin is dearer. The one who performs the task is dearer.

समयः 47.30 – 50.35
जिज्ञासुः शिवलिंग को रखते हैं ना बाबा जलाधारी में।
बाबाः हाँ, हाँ। जो काम करके दिखाया होगा सो ही दिखाया है। ऐसा काम कोई मनुष्य कर सकता है कि रहे कीचड़ के अंदर, कीचड़ की दुनिया में ही पडा रहे और मन, बुद्धि, आत्मा से उपराम रहे? ऐसा काम कोई मनुष्य कर के दिखा सकता है? मनुष्य की बुद्धि तो और उसमें लिपट जाएगी। संग का रंग लग जाएगा। चाहे वो इब्राहिम हों, चाहे बुद्ध हों, चाहे क्राईस्ट हों, चाहे कोई भी बड़े ते बड़े महात्मा हुए हों, अगर गृहस्थी के अंदर रहेंगे तो गिरी हस्ती बन जायेंगे। और शंकरजी ऐसे बढ़िया गृहस्थी है कि उनका चित्र देखो कैसा दिखाया गया है, उसी में रहे पड़े हैं; क्या? पार्वती का, स्त्री का जो रूप दिखाया गया है, स्त्री चोला उसी में रहे पड़े हैं, 24 घंटे वहीं रहे पड़े हैं। लेकिन फिर उनकी पूजा किस आधार पर होती है? पूजा का आधार क्या होता है? प्योरिटी। किस आधार की प्योरिटी? ब्रह्माकुमारियाँ क्या समझती हैं? ये तो पतित है। अरे! पतित नहीं है मन, बुद्धि से उपराम है। इन्द्रियॉ भले हैं, दिखाई पड़ रही है।

Time: 47.35-50.35
Student: Baba, *Shivling* is placed in the *Jalaadhaari*.
Baba: Yes, yes, the task which has been performed has been depicted. Can any human being perform this task to live in sludge (of vices), to remain in the world of sludge but remain detached with the mind, intellect and soul? Can any human being perform such task? A human being's intellect will become engaged in it even more. He will be coloured by the company. Whether it is Abraham, Buddha, Christ or whether it is any great *mahatmas* (great soul), if they live in a household (*grihasthi*), they will become a degraded personality (*giri hasti*). And Shankar*ji* is such nice householder (*grihasthi*); just look at his picture, how has he been depicted. He is living in that itself. What? He is living in the very form of Parvati, in the form of a woman, the female body that has been depicted (as *jalaadhaari*); he is living there for 24 hours, yet, on what basis is he worshipped? What is the basis of worship? Purity. Purity on the basis of what? What do the Brahmakumaris think? [They think:] "This one is sinful". *Arey*! He is not sinful; he is detached through the mind and intellect. Although there are organs, they are visible.

जैसे कोनार्क मंदिर में देवताओं के चित्र कैसे हैं? गंदे–गंदे चित्र दिखाये हैं। फिर गवर्नमेन्ट में ताकत है उन चित्रों को बंद कर सके? इतने अश्लील जो चित्र दिखाये हैं देवताओं के, गवर्नमेंट में ताकत है कि उन चित्रों को निकाल कर बाहर करे? जरूर कोई पावर है। क्या पावर है? वो पुरूषार्थी जीवन के चरित्र हैं। उन्होंने ये पुरूषार्थ किया है। क्या पुरूषार्थ किया है? कि कीचड़ में रह कर के अपनी मन, बुद्धि को उपराम बनाया है। लेकिन नंबरवार उपराम बने हैं। इसलिए एक ही स्वरूप की पूजा होती है। और देवताओं की सारी इन्द्रियों की पूजा होती है, महिमा होती है। मुख कमल, नेत्र कमल, पाद कमल, हस्त कमल। पूजा होती है ना देवताओं की? लेकिन शिव की? शिव की सिर्फ लिंग की ही पूजा, जो मनुष्य कर ही नहीं सकता। और इन्द्रियों को उपराम बना सकता है। लेकिन लिंग जब कनेक्शन में आता है तो बिना एक्साइटमेन्ट में आये मनुष्य रह नहीं सकता। वो पार्ट जो है वो शिव ने बजाया है। इसलिए शंकर को दिखाते हैं विष पिया। विष कहा जाता है व्यभिचार को। तुम सब पार्वतियाँ हों। पार्वती एक है कि सब है? सब पार्वतियाँ क्यों? क्योंकि वो सबके संसर्ग संपर्क आते हुए भी संग के रंग से परे रहता है।

For example, how are the pictures of the deities there, in the temple of Konark[13]? Dirty pictures have been depicted. But, does the government have the power to remove those pictures? Does the government have the power to remove such obscene pictures of the deities? There is certainly some power. What is the power? They are the acts of the *purusharthi* life (life of making spiritual effort). They have made this *purusharth*. What *purusharth* have they made? They have made their mind and intellect detached while living in sludge. But they have become detached number wise (according to their capacity). This is why only one form is worshipped. All the organs of other deities are worshipped, praised: "Lotus like face, lotus like eyes, lotus like feet, lotus like hands". The deities are worshipped, aren't they? But in case of Shiva? Only the *ling* (phallus) of Shiva [is worshipped]. [The task] which a human being cannot do at all. He can be detached through other organs. But when the *ling* comes in connection (with someone), a human being cannot avoid being excited. Shiva has played that part (of not being excited). This is why Shankar has been shown to be drinking poison. Adultery is said to be poison. You all are Parvatis. Is Parvati one or is everyone Parvati? Why is everyone a Parvati? It is because despite coming in contact with everyone, He remains detached from the colour of the company.

समयः 50.37 – 52.48
जिज्ञासुः बाबा तुम लोग सब पावर्तियाँ हो, सीतायें हो, तुम सब द्रौपदियाँ हो बोला है। लेकिन तुम सब राधे हो, ये कभी नहीं बोला।
बाबाः राधे तो सिर्फ एक को ही प्यार करने वाली होती है। क्या? एकलव्य तो सिर्फ एक ही होता है और राधे भी सिर्फ एक ही होती है। वो अनेक नहीं हो सकती। राधा; रा माने राम, धा माने धरी रहे जिसकी बुद्धि। जिसकी बुद्धि सिर्फ किस में धरी रही? राम में धरी रही। भगवान में धरी रही। और कहीं भी उसकी बुद्धि जाय नहीं सकती। सब गोपियों ने रोना, चिल्लाना, पीटना शुरू कर दिया। अरे! कृष्ण कहाँ जा रहे हैं। कृष्ण कंस के दरबार में जा रहे हैं, अभी ये लौटेंगे नहीं। अब तो वहाँ राजाई के भांती बनके रह जाएंगे। सब रोने लगी और राधा ने क्या कहा? अरे! चाहे जहाँ जाने दो। जहाँ भी पहुँचेंगे वो कल्याण करेंगे सृष्टि का। उनके कल्याण करने का हिस्सा हमको भी मिल जायेगा। तो मन, बुद्धि से वो भगवान में धरी हुई थी या साकार से स्नेह था उसका? अभी भी प्रैक्टिकल जीवन में जो राधा का पार्ट बजानेवाली है वो देह के साथ चिपक के रहना उसको अच्छा लगता है या मन, बुद्धि से रमी हुई है?
जिज्ञासुः मन, बुद्धि से रमी हुई है।

Time: 50.37-52.48
Student: Baba, it is said, all of you are Parvatis, Sitas, Draupadis, but it has never been said, you all are Radhey.
Baba: Radhey loves just one. What? Eklavya is only one and Radhey is also only one. She cannot be many. *Ra dha*; *Ra* means Ram; *dha* means the one whose intellect remains engaged. The one whose intellect remained engaged only in whom? It remained engaged in Ram. It remained engaged in God. Her intellect cannot wander anywhere else. All the other *gopis* (female friends of Krishna / herd girls) started crying and shouting, "Arey, where is Krishna going? Krishna is going to the court of Kansa; he will not return now. He will become a member of the royalty there. Everyone started crying and what did Radha say? *Arey*, let him go wherever he wishes to. Wherever he goes he will bring about the benefit of the world. We will also get a share of the benefits that he brings. So, was she engaged in God through her mind and intellect or did she love the corporeal one? Even now, in the practical

[13] A temple dedicated to the Sun god, in the state of Orissa in Eastern India

life the one who plays the part of Radha, does she like being glued to the body (of the corporeal medium of God) or is she immersed in Him through the mind and intellect?
Student: She is immersed through the mind and intellect.

बाबाः और जगदम्बा? जगदम्बा देह के साथ लगातार रही। तो बाबा ने मुरली में बोला दिया कि मेरे साथ रहने वाले प्रैक्टिकल जीवन में, साकार शरीर के साथ वो मेरे साथ रहने वाले मेरे को नहीं पहचान पाते। लेकिन जो दूर रहने वाली है उसने पहचान लिया। लेकिन वो एक ही निकलती है। कोई दूसरा कहे कि हम भी ऐसा पार्ट बजा लेंगे। असम्भव। तो एकलव्य भी एक ही होता है और राधा भी एक ही होती है। नेपाल में प्रश्न तो बढ़िया–2 निकालते हैं।

Baba: And what about Jagdamba? Jagdamba was with the body continuously. So, Baba has said in the murli, "Those who live with Me in practical life, with the corporeal body, even those who live with Me are unable to recognize Me". But the one who lived far away recognized Him. But only one such person emerges. If anyone else says, "I too can play such a part", it is impossible. So, Eklavya is only one. And Radha is also only one. You ask very nice questions in Nepal.

समयः 52.50 – 58.10
जिज्ञासुः मत्स्येन्द्रनाथ की भी चर्चा नेपाल में चलती है।
बाबाः मत्स्येन्द्र; मत्स्य माना मछली और उसका इन्द्र। इन्द्र माना राजा। भगवान ने मछली का अवतार लिया ना, मछले का।
जिज्ञासुः हाँ, लिया।
बाबाः मत्स्यावतार। तो मछली कौन है?
जिज्ञासुः नारायण।
बाबाः नहीं। मछली थोड़े ही है। वो तो मगरमच्छ है। तमोप्रधान बनता है तो मगरमच्छ है। मछली कौन है? मगरमच्छ तो सबको निगल जाता है, सारी मच्छलियों को। मच्छली थोड़े ही मगरमच्छ को निगल जाती है। मत्स्यावतार, मछली का अवतार लिया। उस मछली की कथा ये है कि ऋषिजी महाराज स्नान करने गये, तो कमंडल में उन्होंने जल भरा। उसमें एक मछली आ गई। जब तक घर आए तब तक देखा तो कमंडल में मछली इतनी बड़ी हो गई कि उसमें से निकलना मुश्किल हो गया। तो उन्होंने तोड़ कर के उस मछली को घड़े में डाल दिया, बडे घड़े में। वो थोड़े दिन के अंदर, दो–चार दिन के अंदर वो घड़ा भी भर गया। तो उन्होंने घड़ा फोडा और मछली को निकाल कर के एक बडे टब में डाल दिया। दो–एक दिन में वो टब भी सारा भर गया, बड़ी हो गई। फिर उसमें से निकाला। उसमें से निकाला और एक तालाब जैसा बना दिया उस में डाल दिया। वो उसमें भी बहुत बड़ी हो गई, तालाब में नहीं समाई फिर उसमें से निकाला नदी में डाला। जिस नदी में डाला, नदी का पानी ही रूक गया। वहाँ से भी निकाला सागर में डाल दिया।

Time: 52.50-58.10
Student: There is also a discussion on Matsyendranath in Nepal.
Baba: Matsyendra; *matsya* means fish and its Indra. Indra means king. God incarnated as a fish, didn't He?
Student: Yes, he did.
Baba: *Matsyavatar*[14] . Who is that fish?
Student: Baba.

[14] The first or fish incarnation of Vishnu

Baba: No. He is not a fish. He is a crocodile. When he becomes *tamopradhan*, he is a crocodile. Who is the fish? A crocodile gobbles up everyone, all the fishes. A fish does not gobble up the crocodile. *Matsyavatar*; He took the incarnation of a fish. The story of that fish is: a sage went to take bath. So he filled his *kamandal* (a small pot with a handle) with water. A fish entered it. By the time he reached home, he saw that the fish grew so big in the *kamandal* that it was difficult for it to come out of it. So, he broke it and put the fish in a pot, in a big pot. Within a few days, within two-four days that pot also became full (as the fish grew in size). So, he broke that pot and put the fish in a big tub. Within a day or two that tub was also full, [the fish] grew in size. Then he took it (the fish) out of it. He took it out of the tub and dug a pond like structure and put it into the pond. It grew in size even in that; it could not fit into a pond either, then he to it out of it and put it into a river; the river in which it was put became blocked. It was taken out of it as well and put into an ocean.

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, राम–लक्ष्मण....
बाबाः अरे! पहले पूरी बात तो हो जाने दो।
दूसरा जिज्ञासुः दस बज गया बाबा। बस!
बाबाः चलो हम बन्द कर देते हैं।
सभीः नहीं–2 बाबा।
किसीने कहाः नहीं–2 बाबा। मत्स्येन्द्रनाथ की पूरी कहानी। हर साल पूजा होती है नेपाल में।
बाबाः अच्छा अगली बार कर लेंगे।
दूसरा जिज्ञासुः नहीं बाबा इस प्रसंग को पूरा कर लीजिए बाबा।
बाबाः देर हो जाएगी।
जिज्ञासुः नहीं बाबा। .... सुना दो।
बाबाः टिकेट–विकेट बेकार होगा। क्या मछलीयों–वछलियों में बुद्धि जा रही है।
जिज्ञासुः नहीं–2 पूरी कहानी ।
बाबाः उनका कहना है मछलियों में बुद्धि क्यों लगाते हो। भगवान में बुद्धि लगाओ ना।

Another Student: Baba, Ram and Lakshman…
Baba: Arey! Let this topic complete.
Another Student: Baba it is ten O'clock. Enough.
Baba: OK, let us wind up.
All the students: No, no Baba.
Someone said: No, no Baba. We want the whole story of Matsyendranath. He is worshipped every year in Nepal.
Baba: OK, we will complete it next time.
Another Student: No Baba, complete this topic.
Baba: I will be late.
Student: No Baba. …. tell us.
Baba: My tickets will go waste. Why is your intellect wandering towards fishes?
Student: No tell us the whole story.
Baba: He wants to say: why do you focus your intellect on fishes? Focus it on God. ☺

जिज्ञासुः आखिर रहस्य क्या है? हर साल पूजा होती है नेपाल में।
बाबाः अच्छा–2।
दूसरा जिज्ञासुः नेपाल में बाबा कुमारी ....
बाबाः हाँ बताओ–3। ये कुछ दूसरी बात पूछ रही है।
दूसरा जिज्ञासुः कुमारी पूजी जाती है।
बाबाः माना मत्स्येन्द्र वाली बात न बतायें?

सभी ना कह रहें हैं।
बाबाः अच्छा वोटिंग डालो प्रजातंत्र राज्य है । रोड़ा डाल दिया।
किसीने कहा : बाबा मत्स्येन्द्रनाथ की बात बताइयें।
बाबाः अच्छा मत्स्येन्द्रनाथ की बात पूरी कर दें?
सभीः हाँ।
बाबाः तो मछली का अवतार कौन है? वो मछली कौन है जो बड़ी होती गई, बड़ी होती गई सागर में भी....
जिज्ञासुः लास्ट में सागर में जाकर के छोड़ना पडा है।

Student: Ultimately, what is its secret? He is worshipped every year in Nepal.
Baba: OK, ok.
Another Student: A virgin [is worshipped] in Nepal…..
Baba: Yes. Speak up. She is asking something else. ☺
Another Student: A virgin is worshipped.
Baba: Does it mean, I should not speak about Matsyendra?
Everyone is saying no.
Baba: OK, go for voting; it is a democratic rule. You have created an obstruction. ☺
Someone said: Baba, tell us about Matsyendranath.
Baba: OK, should I complete the topic of Matsyendranath?
Everyone said: Yes.
Baba: So, who is the incarnation of a fish? Who is that fish which went on growing in size, even in the ocean…
Student: Eventually it had to be put into the ocean.

बाबाः सागर में इतना रूप है। सागर तो सबसे बड़ा है। उस में जाकरके वो समा गई। तो इसका मतलब ये है कि वो जगदम्बा का ही रूप है। जो दीदी, दादी, दादियाँ इतनी बड़ी दुनिया की पालना नहीं कर सकतीं हैं जितने बड़े ब्राह्मण परिवार की अभी पालना होने वाली हैं। उस बड़े ब्राह्मण परिवार में बेसिक वाले भी समा जायेंगे। बेसिक की सारी दुनिया समा जायेगी, एडवान्स की भी सारी दुनिया उस ब्राह्मण परिवार में समा जायेगी। और बाहरी दुनिया के जो ब्राह्मण निकलेंगे और–2 धर्मों में कन्वर्ट होने वाले वो भी सब उस में समा जायेंगे। जो भी नौ लाख ब्राह्मण तैयार होंगे उन सब की पालना कौन करेगी?
जिज्ञासुः जगदम्बा।
बाबाः जगदम्बा करेगी। इतनी बड़ी हो जायेगी। लेकिन उसका रूप लगातार बढ़ता ही चला जावेगा। आखरीन कहाँ समा जायेगी?
जिज्ञासुः सागर में।
बाबाः सागर में। उसकी कोई यादगार बनाई है चार चित्रों में?
जिज्ञासुः हाँ।
बाबाः क्या?
जिज्ञासुः पानी में।
बाबाः डूबी जा, डूबी जा, डूबी जा। डूबी जा–2 दिखाई है कि नहीं?
जिज्ञासुः हाँ। सीढ़ी के चित्र में।

Baba: There is so much vastness in the ocean. Ocean is the biggest. It went and merged into it. So, it means that it is the form of Jagdamba herself. The didis, dadis cannot sustain such a big world of Brahmins which is going to be sustained now. Those who follow basic knowledge will also merge into that big Brahmin family. The entire world of the basic (knowledge) will merge into it. The world of advance (party) will also merge into that

Brahmin family. And the Brahmins of the outside world, who convert to other religions, will also merge into it. Who will sustain all the nine lakh Brahmins who will become ready?
Student: Jagdamba.
Baba: Jagdamba will sustain it. She will grow this big. But her form will go on increasing continuously. Ultimately where will she merge?
Student: In the ocean.
Baba: In the ocean. Is there any memorial of it in the four pictures?
Student: Yes.
Baba: What?
Student: In water.
Baba: Drown, drown, drown. Has the drowning been shown or not?
Student: Yes. In the picture of the Ladder.

बाबाः वो ही जगदम्बा इतना बड़ा रूप धारण करके सारे ब्राह्मण परिवार की पालना करने की बावजूद भी अंत में जब भगवान का रूप प्रत्यक्ष होगा तो वो उस सागर में डुबो दी जायेगी। चलो भाई।
जिज्ञासुः पूरा नहीं हुआ बाबा।
बाबाः क्या नहीं हुआ पूरा?
जिज्ञासुः इन्द्र की बात।
बाबाः अरे उसका राजा कौन है? सागर ही तो मत्स्य का इन्द्र हुआ। इन्द्र माना राजा, मत्स्य माना मच्छली। मछली का राजा कौन हुआ? अरे! जिस सागर में समा गई वो ही तो मत्स्येन्द्रनाथ हो गया। अभी भी समझ में नहीं आया? कुछ अपने आप समझ लिया करो।
जिज्ञासुः बाबा का यादगार हो गई मत्स्येन्द्रनाथ।
बाबाः हाँ जी। सब बाबा ही की यादगार है।

Baba: Although the same Jagdamba takes on such a big form and sustains the entire Brahmin family, when God's form is revealed in the end she will be drowned in that ocean. Let's go.
Student: Baba, [the topic] is not completed.
Baba: What hasn't been completed?
Student: The topic of Indra.
Baba: *Arey*, who is her king? The ocean itself is the *Indra* (king) of *matsya* (the fish). *Indra* means king; *matsya* means the fish. Who is the king of the fish? Arey, the ocean in which she merged is himself Matsyendranath. Did you not understand it yet? Try to understand something on your own. ☺
Student: Matsyendranath is the memorial of Baba.
Baba: Yes. Everything is Baba's memorial.

समयः **58.28 – 01.01.54**
जिज्ञासुः .... माओवादी का राज्य।
बाबाः एक बात बताओ – उस पार्टी का नाम ही है माओवादी। माओवादी इसका अर्थ क्या हुआ? ओ अम्मा वादी। इनका तो प्रभाव इतना बढ़ेगा जितना मत्स्य का बढ़ गया। जितना जगदम्बा का प्रभाव दुनिया में बढ़ता है इतना प्रभाव माओवादियों का बढ़ेगा। सिर्फ नेपाल की ही बात नहीं है, इन्डिया में भी छा जायेंगे।
जिज्ञासुः शुरू हो गया इन्डिया में भी।
बाबाः फैल जायेंगे। अम्मा का रूप, चेहरा अच्छा लगता है ना।
जिज्ञासुः इन्डिया का राज्य भी ले लेंगे? माओवादी लोग।
बाबाः ले नहीं लिया अभी?

जिज्ञासुः यहाँ तो ले लिया। लेकिन इन्डिया में भी ले लेंगे?

Time: 58.28-01.01.54
Student: … The rule of the Maoists …..
Baba: Tell me one thing; the very name of that party is Maoist (*Maovaadi*). What is the meaning of *Maovadi*? O *Amma* (mother), *vaadi* (follower). Their influence will increase to the extent the size of the fish increased. The influence of the *Maovaadis* will increase to the same extent as the influence of Jagdamba increases in the world. It is not about just Nepal; [their influence] will spread even in India.
Student: It has started in India as well.
Baba: They will spread. People like the form, the face of the mother, don't they?
Student: Will they obtain the kingship of India as well? The Maoists.
Baba: Have they not obtained it now?
Student: They have obtained it here. But will they obtain it in India as well?

बाबाः अरे! जगदम्बा जो है वो सारे विश्व के उपर राज्य नहीं करेगी? राज करेगा खालसा। वो खालसा कौन है? सिक्ख धर्मों में मानी जाती है। तो जरूर सिक्ख धर्म से निकली होगी। पंजाब के खून से कौन निकली? अव्यक्त वाणी में भी बोला है– 82–83 में जो अव्यक्त वाणी बोली है उस में भी बोला है, पंजाब का खून कन्या दान में सब से आगे गया। कैसे? 82–83 में ही गया उससे पहले नहीं गया? चंद्रमणी दादी पहले नहीं सरेन्डर हुई थी? कन्या दान पहले चंद्रमणी दादी का हुआ या 82–83 में हुआ? 82–83 में जरूर वो कन्या निकली, कौन? एडवान्स पार्टी की पहली पहली कन्या। जिसने आगे कदम बढ़ा दिया समर्पित होने में। जिसके पीछे2 अभी 500, 700 कन्याएँ अब सरेन्डर हुई बैठी है। बेसिक में तो ब्रह्मा बाबा के रहते रहते 300, 400 ही सरेन्डर हुई थी। ये तो संख्या बढ़ते–2 कितनी बढ़ जाएगी? गायन है– उठा लिया, क्या उठा लिया?
जिज्ञासुः गौवर्धन पहाड। गउएँ इतनी बढ़ी; वर्धन माना बढ़ी। गउएँ इतनी बढ़ी कि 16108 का पहाड़ बन गया। वो उस उंगली के आधार पर उठाया गया। (बाबा ने बाकी चार उंगलियों को दिखाते हुए कहा) इन उंगुलियों के आधार पर नहीं उठाया गया। जो सबसे छोटी उंगली है, सबसे कमजोर; रूद्रमाला में सबसे छोटा मणका कौन है? पहला या लास्ट का? लास्ट का मणका। जो पहला है वो नहीं। लास्ट का मणका जो छोटी उंगली है उसके आधार पर वो गोवर्धन पहाड़ उठा लिया, उसकी पालना की।

Baba: Arey! Will Jagdamba not rule on the entire world? *Raaj karega khaalsa* (the pure one will rule). Who is that *khaalsa*? This (*khaalsa*) is the belief of Sikhism. So, she must have certainly emerged from Sikhism. Who emerged from the blood of Punjab? It has also been said in the *Avyakta Vani*. It has also been said in the *Avyakta Vani* of 1982-83 that the blood of Punjab went ahead of everyone in *kanyadaan* (donation of virgins). How? Did it go ahead (in *kanyadaan*) ony in 82-83 and not before that? Had Chandramani Dadi not surrendered before that? Was the *kanyadaan* of Chandramani Dadi performed first or did it take place in 82-83? Certainly that virgin emerged in 82-83. Who? The first virgin of the Advance Party who stepped forward in surrendering herself. 500, 700 virgins have surrendered now by following her. In basic (knowledge) only 300, 400 virgins had surrendered during the lifetime of Brahma Baba. And how much will this number increase? It is famous, He picked it up; what did he pick up?
Student: Goverdhan Mountain.
Baba: Mount Goverdhan. The cows increased so much; *vardhan* means increased. The number of the cows increased so much that a mountain of 16108 was formed. It was raised on the support of that finger. (While showing the other four fingers Baba said) it was not lifted

with the support of these fingers. The smallest finger, the weakest one; which bead is the smallest bead in the *Rudramala*? Is it the first one or the last one? The last bead. Not the first one. The Mountain Goverdhan was raised, sustained on the basis of that last bead, i.e. the small finger.

जिज्ञासुः बाबा कहाँ रहेगा?
बाबाः गुप्त। आदि में भी गुप्त था। लास्ट में फिर प्रत्यक्ष हो जायेगा। तो डूबी जा, डूबी जा कैसे होगी? बाप का बच्चा जो है वो नंबरवार होते हैं कि सब होते हैं? आठ होते हैं बाप के बच्चे जो सजा नहीं खाते या सारी दुनिया बाप के बच्चे होते हैं?
जिज्ञासुः आठ ही होंगे बाबा?
बाबाः अरे! नई दुनिया की शुरूआत कितनों से होगी?
जिज्ञासुः आठ से होगी।
बाबाः आठ (से) होगी तो आठ ही होंगे। या सजा खानेवाले भी उस में घुसेड देंगे? नई दुनिया में सजा खाने वाले घुसेडेंगे कि नहीं घुसेडेंगे? डालेंगे?
जिज्ञासुः नहीं।
बाबाः नहीं डालना चाहिए।

Student: Where will be Baba?
Baba: Hidden. He was hidden in the beginning as well. He will be revealed in the last period again. Othewise, how will the task of drowning (of the female deities) take place? Are the children of the Father number wise or are all the children of the Father? Are eight the children of the Father who not suffer punishments or is the entire world the children of the Father? *Arey*! The new world will begin with how many people?
Student: It will begin with eight.
Baba: There will be eight (in the beginning) so, there will be only eight (children of the Father). Or will you mix even those who suffer punishments among them? Will you mix those who suffer punishments in the new world or not? Will you include them?
Student: No.
Baba: They should not be included.

समयः 01.01.55 – 01.02.32
जिज्ञासुः बाबा हम जब सेवा के लिए कही संगठन रखते हैं तो ठीक है क्या?
बाबाः अच्छी बात है। पूरा परिवार निकला हो उस घर में रखना ज्यादा अच्छा है। एक ही माता निकली है तो घर के दूसरे परिवार के सदस्य अगर सहयोगी हैं तो रख सकते हैं। लेकिन सहयोगी नहीं हैं, एक, दो सदस्य ज्यादा विरोधी हैं तो वितंडावाद भी पैदा हो सकता है। सर्विस की जगह पर डिससर्विस हो जाएगी।

Time: 01.01.58-01.02.32
Student: Baba, is it alright if we organize a gathering ….?
Baba: That is good. It is better to organize it at a home where the entire family has emerged (in the advance knowledge). If only the mother has emerged and the other members of the family are cooperative, then the class can be organized there. But if they are not cooperative, if one or two members oppose more, then there can also be a confrontation. There will be disservice instead of service.

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.